RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 115 ता. 25 अक्टूबर 2024, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

वायु गुणवत्ता पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को लगाई फटकार

-शुद्ध वायु न मिलना मौलिक अधिकार का हनन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में तेजी से बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर नियंत्रण करने में विफल रहने पर केंद्र और राज्यों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा है, कि शुद्ध हवा न मिलना लोगों के मौलिक अधिकार का हनन है, जो संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार देता है। जस्टिस अभय एस. ओका की बेंच ने बुधवार को केंद्र और पंजाब-हरियाणा सरकारों से पूछा कि वे इस मौलिक अधिकार की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही हैं। कोर्ट ने विशेष रूप से पराली जलाने के मुद्दे पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि अधिकारियों ने नाममात्र की कार्रवाई की है। अदालत ने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम को दंतहीन बना दिया गया है, जिससे कार्रवाई के प्रावधान कमजोर हो गए हैं। अदालत ने सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ने लोगों को आदेशों का उल्लंघन करने का लाइसेंस दे दिया है। वहीं, न्याय मित्र द्वारा आगाह किया गया है कि दिवाली के बाद दिल्ली एक गैस चैंबर बन जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कड़े कदम उठाने और वायु प्रदूषण को रोकने के लिए ठोस कार्रवाई करने को कहा है, ताकि जनता के जीवन की गुणवत्ता सुरक्षित रहे।

आतंकियों के पास मिली एम4 कार्बाइन, सुरक्षा एजेंसियों के कान हुए खड़े

नई दिल्ली । आतंकियों के पास अमेरिकी असॉल्ट राइफल एम4 कार्बाइन के मिलने की घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में गांदरबल और कठुआ में आतंकियों के पास यह राइफलें मिली हैं, जो सवाल उठाती हैं कि ये हथियार उन्हें कहां से मिले। इन राइफलों का अधिकांश हिस्सा ईराक, सीरिया, अफगानिस्तान और यमन से प्राप्त हुआ है। आतंकियों ने अमेरिकी और स्थानीय सेनाओं से इन हथियारों को लूटकर या चोरी करके अपने पास रखा है। वैश्विक उपस्थिति में एम4 कार्बाइन का उपयोग कई देशों की सेनाओं द्वारा किया जाता है, जिससे यह ब्लैक मार्केट में आसानी से मिल जाती है। अमेरिकी राइफल एम4 कार्बाइन को एके-47 के समान विश्वसनीय और टिकाऊ माना जाता है। एम4 कार्बाइन को चलाना आसान है, और प्रशिक्षण की आवश्यकता न्यूनतम होती है। इसकारण आंतकी समूहों के लिए यह आसान हथियार बन जाती है। यह विभिन्न प्रकार की गोलियों के साथ-साथ ग्रेनेड लॉन्चर का भी समर्थन करती है।

एम4 कार्बाइन की विशेषताएँ

दरअसल एम4 कार्बाइन का वजन 3.52 किलोग्राम और बैरल की लंबाई 14.5 इंच है। यह राइफल प्रति मिनट 700 से 970 गोलियाँ दाग सकती है। एम4 कार्बाइन से गोलियाँ 2986 फीट प्रति सेकंड की गति से चलती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आईटीबीपी के स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के स्थापना दिवस पर आईटीबीपी के कर्मियों को बधाई देकर उन्हें वीरता और समर्पण का प्रतीक बताया। आईटीबीपी की स्थापना चीन के साथ 1962 के युद्ध के बाद की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में कहा, आईटीबीपी के हमारे हिमवीरों और उनके परिवारों को इस बल के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। यह बल वीरता और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों और कठिन जलवायु परिस्थितियों में भी देश की रक्षा करते हैं। इतना ही नहीं प्राकृतिक आपदाओं और बचाव कार्यों के दौरान उनके प्रयास लोगों में आईटीबीपी के प्रति बहुत गर्व का भाव पैदा करते हैं।

चक्रवाती तूफान 'दाना' उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ा

-तूफान की गति 12 किमी प्रति घंटे रही

▸▸ ओडिशा और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में एनडीआरएफ ने कीं 56 टीमें तैनात

नई दिल्ली।

चक्रवाती तूफान दाना के आज और कल में ओडिशा के तट से टकराने की आशंका है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कुल 56 टीमों को तैनात किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चक्रवात दाना को लेकर चेतावनी जारी की है, जिसके चलते इन राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है। चक्रवात की तीव्रता को देखते हुए प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम जारी है। मध्य और समीपवर्ती उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर भीषण चक्रवाती तूफान दाना पिछले 6 घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। यह स्थिति गुरुवार 24 अक्टूबर सुबह 6 बजे की बताई गई है।

बचाव के लिए टीमें तैनात

एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक (संचालन) मोहसिन शाहेदी ने बताया कि बल की टीमें पेड़ और खंभे काटने के उपकरण, नावें, प्राथमिक चिकित्सा किट और बाढ़ बचाव के अन्य उपकरणों से लैस है। टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार किया गया है। अधिकारी के अनुसार, आईएमएडी और अन्य संबंधित एजेंसियों के पूर्वानुमान के आधार पर सबसे ज्यादा ध्यान ओडिशा और पश्चिम बंगाल पर दिया जा रहा है, जहाँ इस चक्रवात का सीधा असर होने की संभावना है।

एनडीआरएफ द्वारा तैनात की गई 56 टीमों में से 45 टीमों को सक्रिय रूप से तैनात किया गया है। ओडिशा में 20 टीमें तैनात हैं, जिनमें से एक रिजर्व में रखी गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में 17 टीमों में से 13 को रिजर्व में रखा गया है। अन्य राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश और झारखंड में 9-9 टीमें और छत्तीसगढ़ में 1 टीम तैनात की गई है। राज्यों के आपदा प्रतिक्रिया बल भी बचाव और राहत कार्यों में जुटे हुए हैं।

आईएमडी के अनुसार, चक्रवात 24 अक्टूबर की रात से ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के पास पहुँच सकता है, और 25 अक्टूबर की सुबह तक इसकी प्रभावी गति

120 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है। इस दौरान भारी बारिश और तूफानी हवाएं चलने की उम्मीद है, जो तटीय क्षेत्रों में तबाही मचा सकती हैं।

एनडीआरएफ के साथ राज्य प्रशासन भी लोगों को तटीय क्षेत्रों से निकालने और सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने का काम कर रहा है। चक्रवात 'दाना', जिसका नाम कतर ने रखा है, अरबी भाषा में 'उदारता' का प्रतीक है।

जिनपिंग को बगल में बैठाकर पीएम मोदी ने पाक को समझाया कहा... देख आतंकवाद...

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' न अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। खास बात यह रही कि जब पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर यह कड़ा संदेश दिया, तब उनके बगल में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे, जो पाकिस्तान के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद और उसके वित्तपोषण के खिलाफ संघर्ष में सभी देशों का एकजुट और दृढ़ समर्थन आवश्यक है। उन्होंने कहा, आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ाई में डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स नेताओं को भी संबोधित करते हुए यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है और इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में लंबे समय से लंबित प्रस्तावों को पूरा करने की जरूरत है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स समिट से लौट आए हैं, जहां उन्होंने विश्व को शांति और संवाद का संदेश दिया। 22 और 23 अक्टूबर को आयोजित इस शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत युद्ध का नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थक है। समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उपस्थिति में पीएम मोदी ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया और इशारों-इशारों में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया।

पीएम मोदी की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चीन ने पहले संयुक्त राष्ट्र में कई बार पाकिस्तानी आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने संबंधी प्रस्तावों को रोका है। जब भी भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाता है, चीन अक्सर अपने वीटो पावर का इस्तेमाल कर पाकिस्तान की मदद करता है। पीएम मोदी ने ब्रिक्स मंच से ही यह साफ संदेश दिया कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद का रास्ता छोड़ता है, तो भारत बातचीत के लिए तैयार है। यह बयान एक बार फिर पाकिस्तान को यह चेतावनी देता है कि

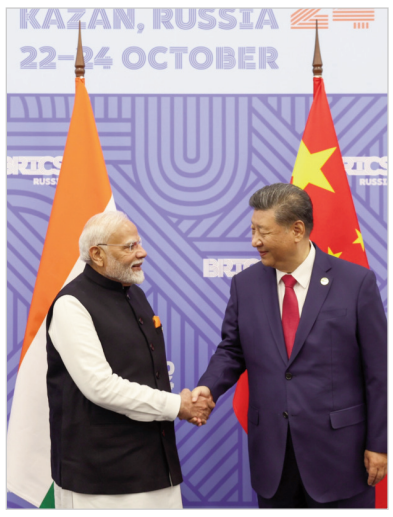

आतंकवाद खत्म किए बिना भारत के साथ संवाद संभव नहीं है। पीएम मोदी के इस कड़े संदेश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भारत ने शांति और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है और वह आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह का नरम रुख नहीं अपनाएगा।

बारामूला के कोर्ट परिसर में हुआ धमाका, जवान घायल

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में एक कोर्ट परिसर के अंदर विस्फोट होने की खबर निकल कर आ रही है। यह धमाका कार्ट परिसर स्थित मालखाना में रखे ग्रेनेड के फटने से हुआ है। इस घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है।

धमाके के बाद कोर्ट परिसर में अफरातफरी मच गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार, गुरुवार करीब 1 बजकर 5 मिनट पर बारामूला कोर्ट परिसर स्थिति मालखाना में गलती से ग्रेनेड फट गया। इस घटना में ड्यूटी पर तैनात एक जवान के घायल होने की खबर है। धमाके के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाके को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं आम हो गईं। ऐसे में पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि इस धमाके को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें। धमाका मालखाने में रखे ग्रेनेड के गलती से फटने के कारण हुआ है। किसी प्रकार के हमले से जोड़कर इसे न देखें। धमाका कैसे और क्यों हुआ जांच के बाद ही मालूम चल सकेगा।

गैर-कश्मीरी पर हमला

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से गैर-कश्मीरियों को निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में बटागुंड त्राल से जानकारी मिल रही है कि गोलीबारी में एक शख्स घायल हो गया है। घायल को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इससे पहले बीते दिनों शोपियां इलाके में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

शेल कंपनियों के माध्यम से हो रही है ड्रग्स की तस्करी

- कंटेनर के जरिए समुद्री रास्ते से भारत आ रही है ड्रग्स

- ईड़ी की जांच में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली ।

ईरान और अफगानिस्तान के समुद्री मार्ग से भारत में कंटेनर के माध्यम से बड़ी मात्रा में ड्रग्स आ रहा है। गुजरात से यह ड्रग्स दिल्ली पंजाब हरियाणा भेजी जाती है ।ड्रग्स के तस्करों द्वारा शेल कंपनियों के फर्जी नाम से ड्रग्स भारत आती है। टेल्क स्टोन और जिप्सम पाउडर की पैकिंग के बीच ड्रग्स की तस्करी हो रही है।

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी की दिल्ली यूनिट ने सीमा पार से हो रही ड्रग्स की तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है ।ईड़ी ने इस रैकेट के 6 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। ड्रग्स के तस्करों ने गुजरात के समुद्री मार्ग से ईरान और अफगानिस्तान से यह ड्रग्स लाई जाती है ।इसके बाद इसे मध्य प्रदेश के शिवपुरी में भंडारण किया जाता है। शिवपुरी से पंजाब और हरियाणा भेजने का खुलासा ईड़ी ने किया है।

ईड़ी की टीम ने मुंबई के नहाव शेवा पोर्ट पर 293.81 किलोग्राम हीरोइन जप्त की है ।इसे संधू एक्सपोर्टर्स के आयातित माल से लदे कंटेनर मैं छिपा कर रखा हुआ था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने फरीदाबाद (हरियाणा) में दो वाहनों और एक फ्लैट से 352.71 किलोग्राम हीरोइन जप्त की है। यह मामला मनी लांडरिंग से जुड़ गया है। केंद्रीय वयपर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने पिछले कई दिनों से संधू एक्सपोटर्स पर नजर रखी जा रही थी। उसके बाद इस रैकेट का खुलासा हुआ।ईड़ी के अधिकारियों को 6 लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित हुई है। तस्करों की गतिविधियों का मुख्य केंद्र मध्य प्रदेश का शिवपुरी,नीमच और मंदसौर बना हुआ है। 3 साल पहले भी शिवपुरी के कोलारस से 294 किलो ड्रग्स पकड़ी गई थी। संधु एक्सपोर्ट एक शेल कंपनी है।

उमर की अध्यक्षता में हुर्रियत नेताओं की बैठक

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के पांच साल बाद, पहली दफा हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के उदारवादी धड़े ने बैठक की है। इस बैठक की अध्यक्षता हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने की, जिसमें वरिष्ठ नेता अब्दुल गनी भट और बिलाल गनी लोन ने शिरकत की। यह बैठक मीरवाइज के श्रीनगर स्थित आवास पर मंगलवार को आयोजित की गई थी। इस बैठक के बाद मीरवाइज उमर फारूक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, अल्हम्दुलिल्लाह! अपने सहयोगियों के साथ बैठना एक भावनात्मक अनुभव रहा, हालांकि जेल में बंद सहयोगियों की कमी महसूस हुई। यहां बताते चलें कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की यह बैठक जम्मू-कश्मीर में बदलते राजनीतिक समीकरण और बदलते हालात के बीच हुई है, जिसमें हाल ही में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने नई

सरकार बनाई है। इसलिए इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में हुर्रियत नेताओं की गतिविधियां बंद थीं, और इस बैठक को कश्मीर की राजनीति में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि मीरवाइज उमर फारूक, कश्मीर के एक महत्वपूर्ण धार्मिक और राजनीतिक नेता हैं। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद उन्हें नजरबंद कर दिया गया था, और चार साल की नजरबंदी के बाद सितंबर 2023 में उनकी रिहाई हुई थी। उन्होंने हमेशा कश्मीर मुद्दे को शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए हल करने की वकालत की है।

मणिपुर में जल्द ही मुख्यमंत्री को बदला जाएगा

इंफाल।

महाराष्ट्र चुनाव के मतदान के पहले मणिपुर में नए मुख्यमंत्री पद की शपथ हो सकती है। इस बात की संभावना अब दिल्ली दरबार में दिखने लगी है। जल्द ही भाजपा हाई कमान मणिपुर में मुख्यमंत्री बदलने का निर्णय ले सकता है। भाजपा के विधायक 2 खेमा में बंट गए हैं।

भाजपा के 32 विधायकों मे से 19 विधायकों ने मुख्यमंत्री बदलने की मांग की है। दिल्ली की बैठक में जिस तरह से मेतई,कुकी और नगा विधायकों ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री बदलने की मांग की है। उसके बाद भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में बदलाव की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। नए मुख्यमंत्री के लिए चार नाम चर्चाओं में आए हैं। इनमें विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यव्रत सिंह हैं। वह मुख्यमंत्री के करीबी रहे हैं।

लेकिन मणिपुर में जब से हिंसा हो रही है। उसके बाद से उनकी दूरियां मुख्यमंत्री से बन गई हैं। मणिपुर के मंत्री थोगम विश्वजीत सिंह, मंत्री युमनाम खेमचंद और गोविंद दास भी मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं। इसमें सबसे ज्यादा समर्थन विधायकों का विधानसभा अध्यक्ष को मिल रहा है। उनके मुख्यमंत्री बनने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मैतई संगठन आपस में बंटे मुख्यमंत्री बदलने की खबर के साथ ही मेतई संगठन आपस में बंट गए हैं। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह अपनी कुर्सी को बचाने के लिए मैतई समुदाय में भय फैला रहे हैं। उसके बाद भी ज्यादातर लोग मुख्यमंत्री बदलने की मांग पर अड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री बदले जाने पर मेतई और कुकी समुदाय में शांति स्थापित करने के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। राज्य में शांति भी स्थापित होगी। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह के हाथ से अब मणिपुर की कमान निकल चुकी है।

भू-माफिया की तरह काम कर रहा है वक्फ बोर्ड: संघ

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने बताया, इस देश में जमीन से जुड़े किसी भी विवाद में फैसला कोर्ट सुनाता है, लेकिन जब बात वक्फ संपत्ति में विवाद की आती है, तो एकमात्र बोर्ड ही फैसला लेने वाला होता है। अगर बोर्ड आपके केस के खिलाफ फैसला लेता है, तो वह अंतिम होता है और नतीजा यह हुआ कि कई संपत्ति अनुचित तरीके से हासिल कर ली गईं। उन्होंने वक्फ बोर्ड्स को भ्रष्टाचार का गढ़ बताया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम समुदाय भी इन बोर्ड्स को माफिया के तौर पर देखते हैं। बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने बिल सदन में पेश किया था। इस बिल पर कई मुस्लिम संगठनों और विपक्ष के बड़े दलों ने आपत्ति भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि बिल के तीन मुख्य उद्देश्य हैं, जिसमें जवाबदेही, पारदर्शिता, सुनिश्चित किया जाना कि इनके काम समाज के कल्याण के लिए हों और गैर मुसलमानों की नियुक्ति कर सामाजिक सद्भावना को बढ़ावा देना। बिल का विरोध करने वालों को लेकर उन्होंने कहा, कुछ लोग हैं, जो सभी को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उनका झूठ सभी के सामने आना चाहिए और लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि उनका मकसद आपको वोट बैंक की राजनीति में बांध कर रखने का है। उन्होंने कहा, ऐसे में मुस्लिम समुदाय में यह धारणा बढ़ रही है कि वक्फ बोर्ड माफिया जैसे काम कर रहा है और भ्रष्टाचार का गढ़ बनता जा रहा है। वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों के प्रस्ताव को लेकर उन्होंने कहा, सिर्फ मुस्लिम ही दान नहीं देते हैं, बल्कि अन्य धर्मों के लोग भी इन बोर्ड्स में दान देते हैं। तो ऐसे में इनमें अन्य धर्मों से भी प्रतिनिधित्व क्यों नहीं होना चाहिए।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से पांच एके -47 राइफल चोरी

जलगांव ! महाराष्ट्र के जलगांव में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री से ताला तोड़कर पांच एके -47 राइफल चोरी हो जाने का मामला सामने आया है।3 दिन पहले यह चोरी हुई थी। चोरी का पता 2 दिन बाद चला था। जलगांव के चरणगांव क़ी फैक्ट्री में देश की सेना के लिए एके -47 राइफल के कारतूस बनाए जाते हैं।कारतूस की टेस्टिंग के लिए एक-47 की पांच राइफल यहां पर थी।का कारतूस सीमा पर भेजने के पहले इन्ही राइफल से कारतूस की टेस्टिंग की जाती थी।21 अक्टूबर सोमवार को फैक्ट्री के शस्त्रागार का ताला तोड़कर पांच राइफल चोरी चली गई हैं। बुधवार को फैक्ट्री प्रबंधन ने इसकी शिकायत चारणगांव थाने में दर्ज कराई गई है।5 एके राइफल की कीमत 8 लाख रुपए बताई गई है।पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरी गई एके -47 राइफल को बरामद करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

नोएडा : कछुए की तस्करी करने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार, 14 कछुए बरामद

नई दिल्ली। नोएडा पुलिस ने कछुओं की तस्करी करने के आरोप में मां-बेटी को गिरफ्तार कर, उनके पास के 14 कछुए बरामद किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि दोनों को अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राम बदन सिंह ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर फेज-एक पुलिस थाने की टीम ने सेक्टर-10 से कमलेश और उसकी बेटी ज्योति को गिरफ्तार किया है जिनके पास के 14 कछुए बरामद किए गए।उन्होंने कहा, ''पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मथुरा जिले में यमुना नदी से कछुए पकड़कर उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बेचने के लिए लाती थीं और पहले भी एनसीआर में कई जगह कछुआ बेच चुकी हैं।'' बताया जाता है कि दीपावली के अवसर पर कछुआ को शुभ मानते हुए लोग उनकी पूजा करते हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये लोग इसी का फायदा उठाकर कछुओं की तस्करी कर उन्हें बेचने के लिए लाए थे।

मां के पास सो रही बच्ची, हुई गायब... तलाशने पर खून से लथपथ तालाब के पास मिली

इटावा ।उत्तर प्रदेश के इटावा क्षेत्र के एक गांव में चार साल की एक बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने कहा कि लड़की अपनी मां के साथ सो रही थी।मां सुबह करीब 3 बजे उठी तब देखा कि बच्ची गायब है।पुलिस ने कहा कि इसके बाद लड़की के परिवार ने तलाश शुरू की और गांव के बाहर एक तालाब के पास खून से लथपथ और रोते हुए पाया।इसके बाद लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने लड़की के परिवार के सदस्यों की शिकायत के आधार पर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के बदायूं में बाजार गई सात साल की बच्ची अचानक गायब हो गई।परिजन तलाश करते रहे और फिर अर्ध नग्न अवस्था मे उसकी लाश खंडहर नुमा मकान मे मिली।

राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनावों के लिए आठ उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों की सूची का ऐलान किया है।पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने विज्ञप्ति जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें राजस्थान की चौरासी (अजा) सीट से कारीलाल ननोमा को भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है। यह सीट राज्य में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और पार्टी ने ननोमा पर विश्वास जताया है।

वहीं उत्तर प्रदेश में भाजपा ने निम्नलिखित उम्मीदवारों की घोषणा की है: कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर (अजा) से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर सीट से दीपक पटेल, कटेहरी सीट से धर्मराज निषाद, मझवां सीट से सुचिस्मिता मौर्या को उतारा गया है। इन सभी सीटों पर चुनावी अभियान के दौरान भाजपा अपने उम्मीदवारों के माध्यम से जनता के बीच अपनी नीतियों और उपलब्धियों को लेकर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करेगी। भाजपा का यह कदम आगामी विधानसभा उप-चुनावों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी इन चुनावों को अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के एक अवसर के रूप में देख रही है।

पैसों की लालच में भाभी ने मंगेतर से करवाया नाबालिग ननद का रेप

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में नाबालिग लड़की से हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पैसों के लालच में उसकी भाभी ने उसे कमरे में बंद कर प्रेम पाल नाम के एक शख्स को सौंप दिया। 10 मिनट तक प्रेमपाल से वह अपनी अस्मत बचाने के लिए जूझती रही, लेकिन वह अपनी आबरू नही बचा सकी। दरिंदे ने बलपूर्वक न सिर्फ उसका रेप किया बल्कि उसके साथ क्रूरता की भी सारी हदें पार की। हैरानी की बात तो यह है कि भाभी खुद ही अपनी ननद की अस्मत लूटने के लिए कहती रही और अपने मोबाइल से इस पूरे वारदात का वीडियो शूट करती रही। दरिंदे की चंगुल से छूटने के बाद नाबालिग लड़की बदहवास थी।उसे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था।जब लड़की होश में आई तो पहले उसने अपने प्रेमी को पूरी बात बताई।इसी दौरान नाबालिग का अश्लील वीडियो सामने आया तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। कौशांबी के पुलिस अधिकारी ने तत्काल पुलिस टीम बनाकर पीड़िता के घर के लिए रवाना किया।जब पुलिस पीड़िता के घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिली।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 300 एकड़ में बनेगी भारत की पहली ड्रोन सिटी

- हाइड्रोजन से उड़ने वाला भारत का सबसे बड़ा ड्रोन आंध्रा में बना

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में ड्रोन समिट में 5000 ड्रोन का एक साथ प्रदर्शन किया गया। इसमें पांच गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड तैयार किए गए। ड्रोन से हवाई ग्रह, स्थल चिह्न, विमान और आसमान, भारतीय ध्वज तिरंगा, महात्मा बुद्ध की 3ष्ठ छवि बनाकर बेहतर प्रदर्शन किया गया। विश्व रिकॉर्ड बनाने का ऐतिहासिक अवसर आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को मिला। ड्रोन का यह दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा शो था। इसके पहले 8000 ड्रोन का प्रदर्शन चीन के शेनजेन में हो चुका है।

चंद्रबाबू नायडू ने ली विशेष रुचि

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 300 जमीन पर भारत की पहली ड्रोन सिटी बनाने की घोषणा की है। भारत में हाइड्रोजन से उड़ने वाले ड्रोन यहां पर तैयार किये जा रहे हैं। तेलंगाना की कंपनी ब्लू जे एरो ने हाइड्रोजन से चलने वाले ड्रोन को तैयार किया है। ब्लू चे रीच नामक यह ड्रोन 100 किलोमीटर वजन के साथ 300 किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। 300 किलोमीटर की उड़ान 30 मिनट में पूरी कर लेता है। जनवरी 2025 में इसे बिक्री के लिए बाजार में उपलब्ध करा दिया जाएगा। यह कंपनी 10 सीटर हाइड्रोजन इलेक्ट्रिक यात्री विमान लाने जा रही है। जो एक बार में 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकेगा। इस ड्रोन का प्रदर्शन भी आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के ड्रोन समिट में किया गया।

अमरावती में 300 कंपनियों ने अपने ड्रोनस का प्रदर्शन किया। भारत में बड़े पैमाने पर ड्रोन का उपयोग कर बिजली के ट्रांसफार्मर, बिजली के खंबे, पावर स्टेशन और हाई टेंशन लाइन के फाल्ट को पता करने और उनके सुधारने के लिए उपयोग में लाये जाएंगे।

मल्टी लेवल ड्रोन का इस्तेमाल चार कैमरों की सहायता से 15 मीटर की ऊंचाई से तालाब, नदी, झीलों के पानी की तस्वीर, पानी क़ी गुणवत्ता और जल संग्रहण के बारे में पता लगाने के लिए उपयोग में लाये जाएंगे।

ड्रोन का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में बड़ा उपयोगी साबित हो रहा है। मानव अंगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने, लेबोरेटरी की रिपोर्ट एवं दवाइयां को पहुंचाने के काम में बड़े पैमाने पर उपयोग में लाये जायँगे।

ड्रोन के मामले में भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा देश बन गया है। चीन के बाद भारत का नंबर आता है। हाइड्रोजन के जरिए सस्ते फ्यूल पर यात्री सेवा के लिए भी ड्रोन का इस्तेमाल टैक्सी के रूप में भविष्य में होने जा रहा है। इसके लिए तेलंगाना की कंपनी आंध्र के,पहली ड्रोन सिटी में बड़ी मात्रा में ड्रोन तैयार कर उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस प्रोजेक्ट में विशेष रुचि ले रहे हैं। जल्द ही ड्रोन सिटी के रूप में कुरनूल एक नए स्वरूप में देश और दुनिया के सामने पहचाना जाएगा।

भाजपा को हराने महाराष्ट्र और झारखंड में प्रचार करने जाएगी केजरीवाल की टीम

नई दिल्ली ।आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को दोतरफा झटका देने की तैयारी की है। केजरीवाल का मानना है कि अगर भाजपा महाराष्ट्र और झारखंड में हारती है, तब हरियाणा जीत से उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी गिर सकता है। संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी पार्टी की ताकत का इस्तेमाल करके दोनों राज्यों में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने का मौका मिलेगा, केजरीवाल वहां उपस्थित रहने वाले है। राज्यसभा सांसद सिंह ने कहा, केजरीवाल ने पहले ही साफ कर दिया हैं जहां से प्रचार के लिए बुलाया जाएगा, वहां प्रचार के लिए अवश्य जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल और आप के नेता महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। महाराष्ट्र में वे शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के लिए, जबकि झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजेडी गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। हालांकि, आप इन दोनों राज्यों में चुनाव नहीं लड़ रही है, लेकिन उनकी योजना भाजपा को हराने की है।

जनगणना की तैयारियां शुरू पहली बार होगी डिजिटल जनगणना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 जनवरी 2025 से जनगणना का कामसारे देश में शुरू हो जाएगा। सभी राज्यों की सीमा 31 दिसंबर 2024 को सील कर दी जाएगी। ताकि जनगणना के आंकड़ों में कोई परिवर्तन ना हो।

घर घर जाकर पहली बार डिजिटल जनगणना होगी। इसके लिए 34 सवालों का एक फॉर्म तैयार किया गया है। जिसमें जनगणना करने वाले प्रगणक घर के मुखिया से जानकारी प्राप्त करेंगे। जनगणना करने वाले प्रत्येक प्रगणक को ?25000 का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2025 से जनगणना का काम शुरू हो जाएगा।

इस बार की जनगणना में 34 प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। जिसमें प्रमुख रूप से घर में मुख्य अनाज, खाना पकाने का ईंधन,पीने के पानी का स्रोत, शौचालय की सुविधा, वाहन की उपलब्धता, घर में बिजली की उपलब्धता, गंदे पानी का निकास, नहाने की सुविधा उपलब्ध है, या नहीं।मोबाइल फोन और इंटरनेट की जानकारी, जाति व्यवस्था के लिए(एससी एसटी एवं अन्य) घर के सदस्यों की संख्या, उम्र,घर पक्का है या कच्चा, यह जनगणना फार्म में शामिल किए गए हैं। परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को एक आईडी नंबर भी डिजिटल जनगणना में दिया जाएगा।

इस बार की जनगणना में बैंक खातों से संबंधित जानकारी नहीं ली जाएगी। जाति जनगणना को लेकर जो विवाद चल रहा है। उसे सरकार ने जनगणना फार्म में शामिल नहीं किया है। जनगणना में केवल एससी एसटी पिछड़ा वर्ग एवं अन्य को शामिल किया गया है।

जनगणना के लिए प्रत्येक प्रगणक के पास 150 परिवारों की जानकारी जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक परिवार के सदस्यों की संख्या, जाति,लिंग,और अन्य आवश्यक जानकारी डिजिटल फॉर्म प्रगणक द्वारा दर्ज की जाएगी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: मुख्य शूटर तक नहीं पहुंच रहे पुलिस के हाथ, अब तक 14 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुख्य शूटर पुलिस की पकड़ से काफी दूर है। जबकि इस मामले में अभी तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने हाल ही में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें हरियाणा का एक निवासी भी शामिल है, जिस पर शूटर और साजिश के मास्टरमाइंड के बीच अहम कड़ी होने का संदेह है। मंगलवार शाम 29 वर्षीय अमित कुमार को हरियाणा और बुधवार शाम पुणे से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मामले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 14 हो गई। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए शूटरों में से एक गुरमेल सिंह और कथित मास्टरमाइंड मोहम्मद जीशान अख्तर के बीच कुमार एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में दो संदिग्ध शूटर- धर्मराज कश्यप और गुरमेल सिंह शामिल हैं, जबकि मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम और दो साजिशकर्ता फरार हैं। अब तक की जांच से पता चलता है कि ठाणे स्थित पांच सदस्यीय कॉन्ट्रैक्ट किलिंग मॉड्यूल को शुरू में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री की हत्या का ठेका दिया गया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 22 वर्षीय रुपेश राजेंद्र

मोहोल, 19 वर्षीय करण राहुल साल्वे और 20 वर्षीय शिवम अरविंद कोहाड़ सभी पुणे के निवासी हैं। अमित कुमार पर हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में शामिल होने का संदेह है। अधिकारी ने बताया कि उसके और अन्य आरोपियों से जुड़े कुछ संदिग्ध वित्तीय लेन-देन भी जांच के दायरे में हैं। 66 वर्षीय बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांचकर्ताओं ने अभी तक हत्या के पीछे के मकसद का पता नहीं लगाया है। वे अलग-अलग कोणों से अपराध की जांच कर रहे हैं, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता या मुंबई में एक झुग्गी पुनर्वास परियोजना को लेकर धमकियां शामिल हैं।

कनाडा में रह रहे अनमोल के संपर्क में था शूटर

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल तीन संदिग्ध शूटर, एनसीपी नेता की हत्या को अंजाम देने से पहले स्नैपचैट के माध्यम से जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के संपर्क में थे। हत्या करने वाले तीन संदिग्ध शूटरों ने सिद्दीकी की हत्या करने से पहले इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप (स्नैपचैट) के माध्यम से अनमोल बिश्नोई से बात की थी। गिरफ्तार आरोपियों के स्नैपचैट की जांच की गई तो पता चला कि शूटर और पुणे के प्रवीण लोनकर, जो कथित तौर पर मास्टरमाइंड है, अनमोल बिश्नोई के सीधे संपर्क में थे और मैसेज मिलने के बाद उसे डिलीट कर देते थे। पुलिस ने बताया कि अनमोल कनाडा और अमेरिका से आरोपियों के संपर्क में था और आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। जबकि मुंबई पुलिस ने पुलिस सुरक्षा गार्ड श्याम सोनवाने को निलंबित कर दिया है जो घटना के समय महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री के साथ मौजूद था।

दरवाजे से झांक रहे खड़गे का वीडियो भाजपा ने किया शेयर,कांग्रेस ने सुना दी खरी खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने लिखा, जब फर्स्ट फैमिली प्रियंका वाड्रा जी वायनाड से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल कर रही थीं, तब आप कहां थे खरगे साहब? बाहर खड़े कर दिए गए थे, क्योंकि वह परिवार नहीं हैं। सोनिया परिवार के अहंकार और अधिकार की वेदी पर आत्मसम्मान और गरिमा की बलि चढ़ गई। जरा सोचिए कि अगर ये वरिष्ठ दलित नेता और पार्टी अध्यक्ष के साथ ऐसा करते हैं, तो ये वायनाड के लोगों के साथ कैसा बर्ताव करेंगे।

इस पर कांग्रेस ने भाजपा पर दलित नेता के अपमान के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने एक वीडियो मैसेज में कहा, असलियत यह है कि नामांकन के वक्त डीएम के कमरे में प्रत्याशी को मिलाकर सिर्फ पांच लोग बैठ सकते थे। जब खरगे जी, सोनिया जी और राहुल जी वहां पहुंचे, तो पहले ही कुछ

लोग बैठे थे। जैसे ही वो कमरे से निकले, उसी वक्त खरगे जी, सोनिया जी और राहुल जी अंदर आए और खरगे जी प्रथम पंक्ति में बैठे। सोनिया जी सीपीपी की अध्यक्ष होने के बाद भी पीछे बैठीं। उन्होंने आगे कहा, हमारा अपने अध्यक्ष के लिए भरपूर सम्मान है, लेकिन भाजपा बार-बार जो खरगे जी का अपमान करती है। वो शायद इसलिए करती है, क्योंकि वह दलित समुदाय से आते हैं। वह उस समुदाय से आते हैं, जिनसे भाजपा नफरत करती है। जिनका सालों तक इनके जैसे लोगों ने शोषण किया है। हम हमारे अध्यक्ष का सम्मान करते हैं।

बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, वायनाड में कथित त्रिमूर्ति की तरफ से आज श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी जैसे वरिष्ठ सांसद और दलित नेता के प्रति ऐसा बर्ताव बेहद निराशाजनक है। एआईसीसी का अध्यक्ष हो या पीसीसी का, क्या यह परिवार उन लोगों को अपमानित करने में गर्व महसूस करता है, जिन्हें वह महज एक रबर स्टाम्प मानता है। भाजपा ने एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें खरगे कमरे के बाहर गेट से झांकते हुए नजर आ रहे हैं। बीजेपी का दावा है कि वीडियो कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन के समय का है। भाजपा का आरोप है कि परिवार का नहीं होने के कारण खरगे के साथ ऐसा बर्ताव हुआ।

मां राज्यसभा में, बहन लोकसभा में जगह तलाश रही

-वायनाड उपचुनाव पर बोले मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वायनाड उपचुनाव को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मां राज्यसभा में हैं, बहन लोकसभा में जगह तलाश रही हैं और भाई की बात करें तो वह बेतुकी सभा में हैं। यह एक सामंती परिवार का नजारा है, जहां सामंती फोटो फ्रेम में परिवार की गतिशीलता स्पष्ट है एक मालिक और कई नौकर। ऐसे दृश्य देखने को मिलते रहेंगे। गौरतलब है कि वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा ने नामांकन दाखिल किया है। उनके नामांकन में उनका परिवार शामिल हुआ था। इस मौके पर राहुल गांधी ने भी जनता को संबोधित किया। राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों पर उन्होंने जीत हासिल की थी। हालांकि, उन्होंने वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली सीट अपने पास रखी है। इस बार प्रियंका गांधी को वायनाड सीट पर उम्मीदवार बनाया है। अब देखना होगा कि वायनाड की जनता किस दिशा में अपने मत का प्रयोग करती है।

आतंक और शांति एक साथ कैसे रहेंगे?

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के हालिया बयानों पर कहा कि आतंक और शांति एक साथ कैसे रह सकते हैं? जम्मू-कश्मीर के लोग लोकतंत्र के प्रति जुनून के साथ प्रगति की प्रक्रिया में भागीदार बन रहे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव ने इस बात को स्पष्ट कर दिया है। इसलिए, किसी को भी ऐसा भ्रम पैदा करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, जिससे अलगाववादियों और आतंकवादियों का हौसला बढ़े।

अभी नहीं ... 41 साल पहले भी हुआ था न्याय की देवी' की मूर्ति में अहम बदलाव

-सीजेआई से पहले इन्होंने किया था बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अदालतों में दिखने वाली 'न्याय की देवी' की मूर्ति में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड के आदेश पर हुए अहम बदलाव की चर्चा काफी हो रही है। मूर्ति के वस्त्रों में बदलाव हुआ है। पहले 'न्याय की देवी' की आंखों पर पट्टी बंधी रहती थी, लेकिन अब पटटी को खोल दिया गया है। हाथ में तलवार की जगह संविधान रखा गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं, तलवार से लेकर संविधान तक हुए बदलाव का आगाज 41 साल पहले ही राजस्थान के जयपुर में हो चुका था।

जयपुर के डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में न्याय देवी की प्रतिमा में अहम बदलाव कर दिया गया था। यह बदलाव कोर्ट के पूर्व जुडिशल मजिस्ट्रेट पदम कुमार जैन ने कराया था।

न्याय की देवी की मूर्ति के डिजाइन को 'न्याय के एक नए युग' की शुरुआत के रूप में भले ही देखा जा रहा है, लेकिन जयपुर ने 26 अप्रैल 1983 को अपने जिला और सत्र न्यायालय में इसी तरह का बदलाव लागू किया था। इस बदलाव के तहत मूर्ति के एक हाथ में तलवार की जगह संविधान रख दिया गया, लेकिन आंखों पर पट्टी बरकरार रखी गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट के तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट जैन की ओर से मूर्ति में यह बदलाव किया गया था। जैन मूर्ति स्थापना के लिए अधिकृत निर्णय लेने वाली संस्था का हिस्सा थे। तब तलवार की जगह संविधान की प्रति रखने के कदम ने एक बड़ी बहस भी छेड़ दी थी। कुछ लोगों का तर्क था कि ग्रीक पौराणिक कथाओं के हिसाब से न्याय की देवी के पास तलवार होनी चाहिए। इस पर तत्कालीन न्यायिक मजिस्ट्रेट जैन ने कहा है कि, 'इस पर मैंने तर्क दिया था कि न्याय की देवी न केवल लोगों को दंडित करती हैं, बल्कि उन्हें बरी भी करती हैं। वह बताते हैं कि एक और बहस इस बात पर थी कि देवी को कौन सी किताब पकड़नी चाहिए, क्योंकि भारत में कोर्ट सिविल और क्रिमिनल मामलों के लिए अलग-अलग संहिताओं का पालन करते हैं। इस जैन ने कहा, 'आखिरकार, यह फैसला लिया गया कि न्याय की देवी को भारतीय संविधान का प्रतिनिधित्व करने वाली पुस्तक पकड़नी चाहिए, क्योंकि न्यायालय इसी मौलिक दस्तावेज पर स्थापित होते हैं।

जैन को न्याय की देवी की पुनर्रचना की प्रेरणा पीएचडी पर काम करते वक्त मिली थी। उस वक्त उनकी नजर रोमन पौराणिक पात्र 'जस्टिटिया' पर पड़ी, जो एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार पकड़े हुए थीं और उनकी आंखों पर पट्टी बंधी हुई थी। उनका मानना था कि न्याय की देवी के लिए तलवार पकड़ना गैर वाजिब है, क्योंकि जज और मजिस्ट्रेट न केवल लोगों को दंडित करते हैं, बल्कि उन्हें बरी भी करते हैं।

जब जयपुर में नई न्याय की देवी की मूर्ति लगाई गई थी, तब उनकी आंखों पर पट्टी बांधने और तराजू थामे रहने को लेकर सवाल उठाए गए थे। जैन ने कहा, ÷इस पर मैंने कहा कि आंखों पर पट्टी निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है, यह सुनिश्चित करती है कि किसी व्यक्ति की संपत्ति, शक्ति या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना किसी पक्षपात या पूर्वाग्रह के

न्याय दिया जाए। तराजू सबूतों को तौलने का प्रतीक है, यह सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेने से पहले दोनों पक्षों पर विचार करे।

जैन ने कहा कि शीर्ष अदालत का इस मामले में एक कदम आगे बढ़कर देवी की आंखों से पट्टी हटाने का फैसला सही फैसला है। अब भ्रम दूर हो गया है और लोगों को समझ में आ गया है कि न्याय की देवी अंधी नहीं हैं।

सिनवार को इजराइल ने पहले ही गाजा छोड़ने की दी थी चेतावनी

येरुशलम। हमास लीडर याह्या सिनवार की मौत के बाद खुलासा हुआ है कि इज़राइली डिफेंस फोर्स ने सिनवार को ऑपरेशन से पहले गाजा छोड़ने और मिस्र को हमास की ओर से बंधक समझौते पर बातचीत करने का मौका दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रपोजल के जवाब में सिनवार ने अरब मध्यस्थों से कहा था कि मैं घिरा हुआ नहीं हूं, मैं फिलिस्तीनी जमीन पर हूं। यह बयान सिनवार ने 7 अक्टूबर, 2023 को हुए नरसंहार के बाद दिया था, जिसे उसने खुद अंजाम दिया था।

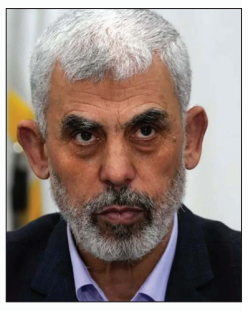

रिपोर्ट के मुताबिक जैसे-जैसे युद्ध आगे बढ़ा सिनवार को एहसास हो गया था कि उनकी मौत संभव है। उसने मध्यस्थों से कहा कि हमास को एक नेतृत्व परिषद चुननी चाहिए, जो उनके बाद संगठन की बागडोर संभाले। रिपोर्ट में बताया गया है कि सिनवार ने कतर में मौजूद हमास से बातचीत करने वालों से बार-बार कहा कि वे युद्धविराम समझौते पर सहमत न हों। उसका मानना था कि गाजा में बढ़ती नागरिक हत्याओं से इंटरनेशनल प्रेशर इज़राइल पर बढ़ेगा और उसे लगता था कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को इज़राइल के खिलाफ खड़ा कर सकता है। जब इज़राइली सेना सिनवार के करीब पहुंची और गाजा में उन सुरंगों को किया जहां वह छिपा था, तो उसे जमीन पर रहकर लड़ाई लड़नी पड़ी जिससे उसकी मौत की संभावना बढ़ गई। सिनवार ने हमास को चेतावनी दी थी कि उसकी मौत के बाद इज़राइल कुछ रियायतें देगा, लेकिन हमास को झुकना नहीं चाहिए। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पिछली सरकार के दौरान सिनवार और उसके सैन्य प्रमुख मुहम्मद देइफ को मारने का प्रयास किया था, लेकिन अधिकारियों का मानना था कि वे डर गए थे। नेतन्याहू के उत्तराधिकारी नफ्ताली बेनेट ने सिनवार को मारने के लिए कम से कम दो बार प्रस्ताव दिया था, लेकिन उनकी सरकार के गिरने से यह योजना पूरी नहीं हो पाई थी।

पाकिस्तान को नहीं मिलेगा ब्रिक्स में प्रवेश

रूस । रूस में ब्रिक्स की बैठक चल रही है पाकिस्तान ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए आवेदन दे रखा है। लेकिन इस बार भी पाकिस्तान को निराशा का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान को ब्रिक्स की सदस्यता नहीं दी गई है।ब्रिक्स के सदस्य देशों के रूप में जिनको सदस्यता दी गई है। उसमें पाकिस्तान का नाम नहीं है। भारत रूस चीन दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील पांच मुख्य देश हैं।अभी ब्रिक्स क़ी सदस्य संख्या 36 है।पाकिस्तान पिछले 1 साल से सदस्यता पाने के लिए प्रयत्नशील है। लेकिन उसे असफलता ही मिल रही है।

बांग्लादेश से भारत लौटे 100 से ज्यादा इंजीनियर

ढाका । बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट होने के बाद जिस तरह की अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। उसके बाद से बांग्लादेश से हिंदू बड़ी संख्या में वापस भारत आ रहे हैं। 100 से ज्यादा इंजीनियर बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गए हैं। 5 अगस्त के बाद से ही बांग्लादेश में अशांति और हिंसा अपने चरम पर है। भारतीय इंजीनियरों के बांग्लादेश से भारत वापस आने के बाद एक दर्जन से ज्यादा प्रोजेक्ट पर काम बंद हो गया है। भारत से गए इंजीनियरों का कहना है बांग्लादेश में काम करने का अभी कोई माहौल नहीं है। बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं और भारत से गए विशेषज्ञों की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया है। जिसके कारण बांग्लादेश के हिंदुओं में बड़ी घबराहट है।वह बांग्लादेश छोड़कर स्वदेश भारत वापस आना चाह रहे हैं। भारत सरकार ने शेख हसीना को शरण दे रखी है।जिसके कारण बांग्लादेश में भारत के खिलाफ एक माहौल बन गया है। भारत सरकार और बांग्लादेश क़ी सरकार ने कोई भी सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया है। जिसके कारण बांग्लादेशी हिंदुओं का पलायन वहाँ से जारी है। शेख हसीना ने भारत के साथ 10 से ज्यादा परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए थे। उन पर काम शुरू हो चुका था। परियोजनाओं में काम करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में इंजीनियर गए थे। भारत सरकार द्वारा शेख हसीना को शरण दिए जाने के कारण बांग्लादेश की वर्तमान सरकार, पुराने अनुबंधों को निरस्त करने के बारे में विचार विमर्श कर रही है।जब तक बांग्लादेश और भारत सरकार के बीच वार्ता शुरू नहीं होगी। दोनों पक्ष ज़ब तक आपसी सहमति से शेख हसीना वाला मामला नहीं सुलझाएंगे। तब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति यह नाराजी देखने को मिलती रहेगी। भारत में जिस तरह से अल्पसंख्यक मुसलमानो को प्रताड़ित किया जा रहा है।इसकी चर्चा बांग्लादेश में हर गली चौराहे पर हो रही है। ऐसी स्थिति में भारत से परियोजना मैं काम करने के लिए जो भारतीय इंजीनियर और अन्य अधिकारी बांग्लादेश गए हुए थे। वह वहां से भागकर वापस भारत आ गए हैं।

अपने ही घर में घिरे जस्टिन ट्रूडो, उन्हें पद से हटाने की तैयारी , 28 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम

ओटावा। भारत से पंगा लेने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की राजनीतिक स्थिति अब संकट में है। लिबरल पार्टी के नेताओं ने ट्रूडो से इस्तीफा देने की मांग की है। इतना ही नहीं विरोधी नेताओं ने उन्हें 28 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दिया है। यह घटनाक्रम तब समय पर सामने आया है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव बढ़ चुका है। ट्रूडो ने हाल ही में भारत के पूर्व उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को एक जांच के सिलसिले में पर्सन ऑफ इंटरेस्ट करार दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच की स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, लिबरल पार्टी के सांसदों की एक बैठक में ट्रूडो के नेतृत्व के प्रति असंतोष जाहिर किया गया। सांसदों ने उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कर भविष्य के लिए निर्णय लेने के लिए 28 अक्टूबर की डेडलाइन दी है। इस बैठक में 24 सांसदों ने ट्रूडो को लिबरल पार्टी के नेता के पद से हटाने के लिए दस्तखत किए हैं। ब्रिटिश कोलंबिया के सांसद पैट्रिक वीलर ने ट्रूडो के इस्तीफे का समर्थन करते हुए एक दस्तावेज पेश किया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के उदाहरण का उल्लेख किया था। दस्तावेज में कहा गया है कि जब बाइडेन ने चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया, तब डेमोक्रेट्स को फायदा हुआ था, और ऐसा ही कुछ लिबरल पार्टी के मामले में हो सकता है। दरअसल ट्रूडो के खिलाफ बढ़ते असंतोष की पृष्ठभूमि में भारत के साथ बढ़ते तनाव भी हैं। पिछले साल ट्रूडो ने संसद में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत सरकार पर आरोप लगाया था। इस प्रकार, जस्टिन ट्रूडो को अब अपने राजनीतिक भविष्य के लिए एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उनकी पार्टी के भीतर असंतोष और भारत के साथ चल रहे तनाव शामिल हैं। 28 अक्टूबर की डेडलाइन उनके लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है।

पाकिस्तानी चर्च सिनड के अध्यक्ष ने इस्लामिक उपदेशक नाइक के खिलाफ लिखा खत

कराची । पाकिस्तानी चर्च सिनड के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को पत्र लिखा है, इसमें उन्होंने विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक डॉ. जाकिर नाइक की हालिया यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों पर चिंता जाहिर की है। डॉ. नाइक के भाषणों ने ईसाई समुदाय में बेचैनी पैदा की। बिशप मार्शल के अनुसार, डॉ. नाइक ने अपने भाषणों में ईसाई विश्वास की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया और पवित्र ग्रंथों का अपमान किया है।पत्र में कहा गया है कि शाहबाज सरकार द्वारा डॉ. नाइक की टिप्पणियों के प्रति खेद व्यक्त न करने से ईसाई समुदाय की हाशिए पर होने की भावना और बढ़ गई है, जबकि सरकार ने धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने का आश्वासन दिया है। बिशप ने पाकिस्तान सरकार से अपील की है कि वह इसतरह विभाजनकारी और हानिकारक घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए। डॉ. नाइक, जो भारत में वांछित भगोड़ा है, मलेशिया में रह रहा है। उन्हें 2017 में बांग्लादेश में एक आतंकी हमले से प्रेरित करने के लिए भी आरोपित किया गया था, जिसमें 22 लोग मारे गए थे।

गुरुवार को समोआ के अपिया में चर्च हॉल में एवा समारोह में भाग लेते ब्रिटेन की रानी कैमिला और राजा चार्ल्स।

सिनवार की मौत के बाद अब बंधकों की रिहाई हो सकती है आसान : इजरायली पीएम

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास नेता याह्या सिनवार की मौत से इजरायल के बंधकों की रिहाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और इजरायल को युद्ध के उद्देश्यों को हासिल करने में मदद मिल सकती है। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा पर बड़ा हमला किया था। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और इजरायल से करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इजरायली सेना द्वारा गाजा में की गई कार्रवाई में 42,718 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। उल्लेखनीय है कि इसी साल अक्टूबर के मध्य में दक्षिणी गाजा पर इजरायल ने एक हमला किया था, जिसमें सिनवार की मौत हो गई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि सिनवार की मौत से बंधकों की वापसी और युद्ध के बाद की वास्तविकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मंगलवार को जारी इस बयान में बताया गया है कि दोनों के बीच यरूशलम में मैत्रीपूर्ण बैठक हुई, जिसमें गाजा को लेकर चर्चा की गई।अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ब्लिंकन ने बैठक के दौरान इजरायल की सुरक्षा के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दोहराई है। बैठक के बाद ब्लिंकन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने और नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध समाप्त करने, सभी बंधकों को वापस करने और इजरायल-फिलिस्तीनियों के लिए स्थायी शांति और सुरक्षा का मार्ग तैयार करने के महत्व के बारे में भी बात की।

कमला हैरिस ने ट्रंप के खिलाफ चुनावी रेस में नई रणनीति अपनाई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अगले माह तय हो जाएगा कि अमेरिका में राष्ट्रपति कौन होगा। इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चुनावी रेस में एक नई रणनीति अपनाई है, जिसमें उन्होंने ट्रंप की उम्र और उनकी ऊर्जा पर सवाल उठाए हैं। हैरिस का यह कदम न केवल उनकी राजनीतिक पहचान को स्थापित करने का प्रयास है, बल्कि यह ट्रंप के प्रति जनता की धारणा को भी प्रभावित करने की कोशिश है। दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है, जिससे आगामी चुनावों की सटीक भविष्यवाणी करना मुश्किल हो रहा है। हैरिस ने कहा है कि वह भावी पीढ़ी की लीडरशिप का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनका कार्यकाल वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप के कार्यकाल से अलग होगा। यह बयान उनकी युवा पहचान को मजबूत करने और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने का प्रयास है।

कमला हैरिस ने अपने प्रचार अभियान के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ट्रंप प्रचार रैली के दौरान थके हुए दिखाई दे रहे हैं। हैरिस के अभियान ने इस वीडियो के माध्यम से सवाल उठाया है कि क्या ट्रंप, जो इतनी थकान में हैं, अमेरिका के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए उपयुक्त हैं। यह रणनीति उनके लिए महत्वपूर्ण है, खासकर जब से उन्होंने डेमोक्रेट पार्टी के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में अपनी स्थिति बनाई है। गैलप पोल के अनुसार, ट्रंप और हैरिस दोनों ही अमेरिका के सबसे अलोकप्रिय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में शामिल हैं। इस पोल में ट्रंप को 50 प्रतिशत और हैरिस को 48 प्रतिशत समर्थन मिला है, जो इस बात को दर्शाता है कि चुनाव परिणामों को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही है।

ट्रंप पर उम्र और ऊर्जा का यह हमला दरअसल उस रणनीति का प्रतिकृति है, जिसे पहले ट्रंप ने बाइडेन के खिलाफ इस्तेमाल किया था। यह न केवल हैरिस की राजनीतिक क्षमता को चुनौती देने वाला कदम है, बल्कि यह दर्शाता है कि अमेरिका की राजनीति में अब उम्र और ऊर्जा के मुद्दे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे हैं। आगामी चुनावों में इन मुद्दों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति भवन परिसर में कचरे के गुब्बारे गिराए

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने फिर दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में स्थित राष्ट्रपति भवन परिसर में गुरुवार को कचरे से भरे गुब्बारे गिराने की कार्रवाई की। इस घटना की जानकारी देकर दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने बताया कि यह गुब्बारे गिराने की प्रक्रिया उ.कोरिया द्वारा मई के अंत में शुरू की गई थी, और यह इस तरह का दूसरा मामला है। द.कोरिया की राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के अनुसार, उ.कोरिया की ओर से भेजे गए गुब्बारों में कोई खतरनाक सामग्री नहीं थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हुआ हैं कि गुब्बारे गिरने के समय राष्ट्रपति यून सुक-योल परिसर में उपस्थित थे या नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि उ.कोरिया की यह कार्रवाई दिखाती है कि उनके पास सटीक निशानेबाजी के लिए अत्याधुनिक तकनीक का अभाव है। गुब्बारे के साथ गिराए गए कचरे में राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम कियोन की आलोचना करने वाले पर्चे भी शामिल थे। ये पर्चे सियोल के योंगसान जिले में बिखरे हुए पाए गए, जहां यून का राष्ट्रपति कार्यालय है। विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने निर्धारित स्थानों पर कचरे से भरे गुब्बारे गिराने के लिए हाल में जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) तकनीक का उपयोग करना शुरू किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया अपनी गुब्बारे गिराने की तकनीकों को उन्नत करने की कोशिश कर रहा है, भले ही इसके प्रभाव सीमित हों।

यह घटना उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे तनावपूर्ण संबंधों का एक नया अध्याय है। इससे पहले भी, उत्तर कोरिया ने कई बार दक्षिण कोरिया के खिलाफ विभिन्न प्रकार की नकारात्मक प्रचार रणनीतियों का उपयोग किया है। यह गुब्बारे गिराने की कार्रवाई उन सबका हिस्सा है, जिनमें उत्तर कोरिया अपने राजनीतिक संदेशों को फैलाने की कोशिश कर रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर कोरिया की इस तरह की गतिविधियाँ केवल घरेलू राजनीति के लिए नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी उपस्थिति को बनाए रखने की एक रणनीति हो सकती हैं। दक्षिण कोरिया की सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और सुरक्षा उपायों को और सख्त करने की योजना बना सकती है।

मुंबई अटैक की तरह अंकारा में दागीं गोलियां, महिला आतंकी को देख तुर्किये ने तुरंत लिया बदला

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये की राजधानी अंकारा में आतंकियों ने 2008 मुंबई अटैक की तरह बड़ा हमला किया। एक कार में आए आतंकियों ने सड़क पर गाड़ी खड़ी की और लोगों के करीब आने पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमले में 5 लोगों की मौत हुई है और 22 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सीसीटीवी फुटेज में पीठ पर बैग लटकाए एक महिला आतंकी को भी असॉल्ट राइफल चलाते देखा जा सकता है। यह हमला तुर्किये की रक्षा कंपनी पर हुआ है।

तुर्किये के जवानों ने एक महिला और एक पुरुष आतंकी को मार गिराया। घटना के कुछ ही घंटे में तुर्किये की एयरफोर्स ने कुर्दिश आतंकियों के ठिकानों पर सीमापार एयरस्ट्राइक की। तुर्किये ने भी बदले की कार्रवाई करते हुए पीकेके के ठिकानों पर बमबारी शुरू कर दी। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि हमने उत्तरी इराक और उत्तरी सीरिया में पीकेके के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है।

राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने बताया है कि देश की सरकारी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी 'तूसास' के परिसर में आतंकियों ने विस्फोट किए। इसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी। तुर्की मीडिया में बताया गया है कि एक महिला सहित तीन हमलावर एक टैक्सी में कैंपस के गेट पर पहुंचे थे। किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन तुर्किये सरकार इसके लिए कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी को जिम्मेदार मान रही है। पीकेके को यूरोपीय संघ और अमेरिका भी आतंकी संगठन मानता है। कुर्दिश आतंकवादियों, इस्लामिक स्टेट समूह और वाम चरमपंथियों ने पहले भी तुर्किये में हमले किए हैं।यह सरकारी कंपनी 'तूसास' सैन्य और असैन्य दोनों तरह के प्लेन, ड्रोन और दूसरे रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रणालियों को डिजाइन और निर्माण करती है। खास बात यह है कि यहां बने ड्रोन ने ही तुर्किये को कुर्दिश आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब शायद उसी कंपनी को टारगेट करने की यह एक बड़ी वजह थी।

दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

-वैश्विक स्तर पर भारत की स्थित हुई मजबूत

मॉस्को (एजेंसी)। कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी हैं। एक ओर जहां सम्मेलन के माध्यम से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक नेताओं को एकत्रित कर पश्चिमी देशों को अपनी ताकत दिखाते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिया है। वहीं भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मुलाकात ने भी कई महत्वपूर्ण संदेश दिए हैं। खासतौर से भारत की बात करें तो इस सम्मेलन ने नई दिल्ली की भूराजनीतिक स्थिति को एक बार फिर से उजागर किया है। भारत की क्षमता, चीन के साथ बातचीत करने के साथ-साथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने की, उसकी अद्वितीय राजनयिक स्थिति को दर्शाती है। रूस की बढ़ती निर्भरता के बीच, यह संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। भारत का बढ़ता प्रभाव, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ में, उसके मध्यस्थता की भूमिका को और मजबूत करता है। ग्लोबल पॉलिटिकल रिस्क एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने ब्रिक्स में भारत की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी बेहतर हुई है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेमर ने भारत के लिए ग्लोबल साउथ में इसकी भूमिका, चीन के साथ संबंध और जी7 देशों के साथ इसके रिश्तों पर चर्चा की। उनके अनुसार, भारत के अलावा कोई अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था लगभग हर किसी के साथ मित्रता के करीब नहीं है। मोदी ने ब्रिक्स में अपने राष्ट्रीय हितों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया है और संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

आतंकवाद पर दोहरे मानकों को समाप्त करने का आह्वान

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन, शी जिनपिंग और ईरानी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। अपने भाषण में उन्होंने आतंकवाद पर दोहरे मानकों को समाप्त करने का आह्वान किया। ब्रेमर ने इस सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष के रूप में बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एक अद्वितीय भूराजनीतिक स्थिति रखता है, जो उसे दूसरे देशों के मुकाबले एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है।

वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ता प्रभाव

वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ता प्रभाव केवल आर्थिक और सैन्य दबदबे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष में खुद को एक शांतिदूत के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की हाल की बैठकों ने भारत की इस भूमिका को और स्पष्ट किया है। इस साल सितंबर में डेलावेयर, अमेरिका में आयोजित छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी भी भारत की भू-राजनीतिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

पुतिन ने ब्रिक्स के लिए क्यों चुना कजान.... बड़ी दिलचस्प हैं इस शहर की कहानी

कजान(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा के लिए रूस के दौरे पर हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स नेताओं की मेजबानी के लिए कजान शहर को चुना है। यह रूस के सबसे बड़े और सबसे धनी शहरों में से एक है। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि साल 2009 में मॉस्को और सांस्कृतिक राजधानी सेंट पीटर्सबर्ग के बाद कजान को रूस की तीसरी राजधानी का दर्जा मिला था।

भारतीय विद्वान और लेखक राहुल सांकृत्यायन ने वोल्गा से संगा तक नाम से कथा संग्रह लिखा था । इन कहानियों में रूस की वोल्गा नदी के आसपास के क्षेत्रों में इंडो-ईरानी लोगों के प्रवास के बारे चर्चा की गई है, जो बाद में भारतीय उपमहाद्वीप के गंगा के मैदान में इतिहास की विभिन्न काल में उनके प्रसार को कवर करती हैं। सांकृत्यायन और वोल्गा से गंगा की चर्चा हम यूं ही नहीं कर रहे हैं। रूस की गंगा कही जाने वाली वोल्गा और कजान का गहरा रिश्ता है।

रुस की राजधानी मॉस्को से 900 किमी पूर्व में स्थित कजान वोल्गा और कजांका नदियों के संगम पर बसा हुआ है। 12 लाख की आबादी वाला कजान शहर तातारस्तान गणराज्य की राजधानी है, जो कि तातार लोगों की मातृभूमि है। तातार समुदाय देश में रूसियों के बाद सबसे बड़ा जातीय समूह है। वहीं, रूस में रहने वाली 80 फीसदी आबादी मूल रूप से रूसी है।

अधिकांश रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च में मान्यता रखने वाले ईसाई हैं, जबकि तातार मुख्य रूप से मुस्लिम तुर्क जातीय समूह हैं, जिनकी अपनी अलग भाषा और अलग संस्कृति है। देश में बहुमत रखने वाला रूसी समुदाय कजान में बराबर होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शहर की आबादी में रूसी जातीयता वाले (48.6) और जातीय तातार (47.6 प्रतिशत) समूह करीब बराबर हैं। इस तरह यह शहर पुतिन के सपनों वाले रूस का प्रतिनिधित्व करता है, जहां यूरोप और एशिया के साथ ही अलग जातीयताओं और धर्मों का भी मिश्रण है।

दरअसल कजान की एक पहचान यहां पर स्थित ऑर्थोडॉक्स एनाउंसमेंट कैथेड्रल और कुल शरीफ मस्जिद है। यूरोप की सबसे बड़ी मस्जिदों में शामिल कुल शरीफ की कहानी दिलचस्प है। 16वीं सदी के पहले तक यह शहर कजान खानात (कजान के खान) की राजधानी हुआ करता था। 16वीं सदी में मॉस्को के ग्रैंड प्रिंस और रूस में जारशाही लाने वाले इवान द टैरिबल ने एक हिंसक सैन्य अभियान के बाद कजान को कब्जा लिया था। रूसियों ने 30 अगस्त को कजान की घेराबंदी शुरू की। इस दौरान कजान की सेना ने 150 तोपों का इस्तेमाल किया। शहर की पानी की आपूर्ति रोक दी गई और दीवारों को तोड़ दिया गया। 2 अक्टूबर को कजान की किलेबंदी को गिरा दिया गया और रूसी शहर के अंदर घुस गए। इसके साथ ही कजान खानात का अंत हो गया और यह क्षेत्र रूसी साम्राज्य का हिस्सा बन गया।

अधिकांश आबादी का नरसंहार किया गया। इस दौरान कजान की कुल शरीफ मस्जिद को जला दिया गया। 2005 में सऊदी और यूएई की मदद से मस्जिद का पुनर्निर्माण किया गया।

पुतिन ने की संतुलन बनाने की कोशिश

राष्ट्रपति पुतिन ने रूस के जातीय अल्पसंख्यकों के साथ संतुलन बनाने की कोशिश की है। उन्होंने जातीय अल्पसंख्यकों को मुख्यधारा में शामिल करने, मतभेदों को सुलझाने और एक इसतरह के राष्ट्रवाद की वकालत की है जिसमें केवल रूसियों को नहीं बल्कि रूस की महानता को बढ़ावा देने की बात करता है। हालांकि, उन्होंने अलगाववादी भावनाओं से सख्ती से निपटा है।

लोकतंत्र को राजनीति के 'पारिवारिक व्यवसाय' की चुनौती

विश्वनाथ सचदेव

> कांग्रेस पर इसे बढ़ावा देने का आरोप कोई भी ग़लत नहीं ठहरा सकता। कांग्रेस की राजनीति मोतीलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक परिवारवाद से ग्रसित रही है। पर यह सच सिर्फ कांग्रेस पार्टी का नहीं है। हमारे देश की लगभग सभी पार्टियां इस बीमारी की शिकार हैं। हां, कम्युनिस्ट पार्टी वाले अवश्य इसका शिकार होने से बचे हुए दिखते हैं। बाकी सारे राजनीतिक दल, चाहे वे राष्ट्रीय स्तर के हों या फिर क्षेत्रीय दल हों, भाई-भतीजावाद के दलदल में डूबे दिखाई देते हैं। जहां तक क्षेत्रीय दलों का सवाल है उनमें से कई तो हैं ही परिवारों की पार्टियां।

इस बार स्वाधीनता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से दिये गये अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति में भाई-भतीजावाद के वर्चस्व को नकारने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि वह देश के एक लाख ऐसे युवाओं को राजनीति में सक्रिय करना चाहते हैं जिनका राजनीतिक परिवारों से कोई रिश्ता न हो। प्रधानमंत्री ने अपनी इस बात को अब फिर दुहराया है। अपने चुनाव-क्षेत्र बनारस में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'देश को परिवारवाद से बहुत बड़ा खतरा है। देश के युवाओं को सबसे ज्यादा नुकसान इसी परिवारवाद से हुआ है।' प्रधानमंत्री की बात का कुल मिलाकर देश में अनुमोदन ही हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब देश की राजनीति में परिवारवाद के खतरों से परिचित कराने की कोशिश हुई है। सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीति जिन आधारों पर चला रही है, उनमें कांग्रेस के परिवारवाद का स्थान काफी ऊंचा है। लेकिन सवाल जो उठ रहा है वह यही है कि राजनीति में परिवारवाद की इस आलोचना में ईमानदारी कितनी है? जिस समाचार पत्र में मैंने बनारस के प्रधानमंत्री के भाषण वाला समाचार पढ़ा था, उसमें उसी पन्ने पर एक समाचार यह भी था कि महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची में ऐसे कई नाम हैं जिनका सीधा रिश्ता राजनीतिक परिवारों से है। समाचार में इस संदर्भ में कुछ नाम भी गिनाये गये थे। इन नामों में से एक पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी और दूसरे पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे का नाम भी था। राज्यसभा के एक सदस्य के छोटे भाई को भी भाजपा ने टिकट दिया है। एक और पूर्व मुख्यमंत्री के पोते को भी भाजपा का टिकट मिला है। राज्य में भाजपा के अध्यक्ष के साथ-साथ उनके भाई को भी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया हैज यह सूची यहीं खत्म नहीं होती। सच तो यह है कि इस तरह की सूची भाजपा तक ही सीमित नहीं है। बाकी राजनीतिक दल भी राजनीति में भाई-भतीजावाद की बीमारी के शिकार हैं। उनकी सूचियां खंगाली जायेंगी तो वहां भी यही सब देखने को मिलेगा। भाजपाई उम्मीदवारों के ये कुछ नाम तो बस इसलिए गिनाये गये हैं कि भाई-भतीजावाद के संदर्भ में प्रधानमंत्री जो कहते हैं उनकी पार्टी का आचरण उसके बिल्कुल विपरीत दिख रहा है। और यह बात भी कोई रहस्य नहीं है कि भाजपा में प्रधानमंत्री की बात ही अंतिम सच है। बजाय यह कहने के कि 'मैं यह चाहता हूं कि राजनीति में भाई-भतीजावाद का खात्मा हो', प्रधानमंत्री यह कहते हैं कि 'देखिए हमने चुनाव में किसी को इसलिए उम्मीदवार नहीं बनाया कि वे किसी राजनीतिक परिवार से जुड़ा है' तो उनकी बात का महत्व और असर कहीं अधिक बढ़ जाता। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाई-भतीजावाद की इस संस्कृति ने हमारी राजनीति को एक पारिवारिक व्यवसाय बनाकर रख दिया है। कांग्रेस पर इसे बढ़ावा देने का आरोप कोई भी ग़लत नहीं ठहरा सकता। कांग्रेस की राजनीति मोतीलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक परिवारवाद से ग्रसित रही है। पर यह सच सिर्फ कांग्रेस पार्टी का नहीं है। हमारे देश की लगभग सभी पार्टियां इस बीमारी की शिकार हैं। हां, कम्युनिस्ट पार्टी वाले अवश्य इसका शिकार होने से बचे हुए दिखते हैं। बाकी सारे राजनीतिक दल, चाहे वे राष्ट्रीय स्तर के हों या फिर क्षेत्रीय दल हों, भाई-भतीजावाद के दलदल में डूबे दिखाई देते हैं। जहां तक क्षेत्रीय दलों का सवाल है उनमें से कई तो हैं ही परिवारों की पार्टियां। बिहार में आर.जे.डी. को लालू-परिवार से, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को यादव परिवार से, जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार से और तमिलनाडु में द्रमुक को स्टालिन-परिवार से अलग करके कैसे देखा जा सकता है। यदि इसे 'पारिवारिक व्यवसाय' की संज्ञा दी जाती है तो क्या ग़लत है? इस सच्चाई के बरक्स दूसरी सच्चाई है कांग्रेस पार्टी की जो भाजपा के निशाने पर है। स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने तो अपने पुत्र संजय को लेकर उठे सवालों के संदर्भ में स्पष्ट कहा कि यदि व्यवसायी की संतान व्यवसायी बन सकती है, वकील की संतान वकील तो राजनेता की संतान राजनीति में आकर क्या ग़लत करती है? कुछ ऐसा ही तर्क यह भी है कि राजनेता यदि अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव का टिकट देकर आगे लाते हैं तो इसमें ग़लत क्या है? उन्हें चुनाव में जिताती तो जनता है- उन्हें हर कदम पर स्वयं को प्रमाणित करना होता है। इन दोनों प्रकार के तर्कों में कुछ सच्चाई हो सकती है, पर बड़ी सच्चाई यह है कि इस पारिवारिक राजनीति के पीछे जो ताकत है वह उसी राजशाही की है जिसे हटाकर हमने अपने को जनतांत्रिक देश घोषित किया है। इस जनतंत्र की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि यहां हर एक को आगे बढ़ने का अवसर और अधिकार मिलता है। परिवारवादी राजनीति इसे नकारती है। इस अवसर और अधिकार का तकाज़ा है कि जनतंत्र में राजनीति को किसी की पारिवारिक संपत्ति न बनने दिया जाये। हमारे राजनेता यह समझते भले ही हों पर स्वीकारना नहीं चाहते। इसी का परिणाम है कि आज हमारे देश में न जाने कितने बड़े नेताओं की संतानें संसद या विधानसभाओं में बैठी दिख रही हैं। यह सब राजनीति में इसलिए नहीं है कि उनमें राजनीति की समझ या योग्यता-क्षमता है। उनके इस स्थिति में होने का आधार ही यही है कि वह राजनीतिक परिवार के सदस्य हैं। लगभग चार साल पहले एक अध्ययन में यह पाया गया था कि हमारी तत्कालीन लोकसभा में 30 वर्ष से कम आयु के सभी सांसद राजनीतिक परिवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले थे! 40 साल से अधिक उम्र वाले दो-तिहाई सांसद ऐसे ही परिवार वाले थे। अध्ययन का निष्कर्ष यह था कि यदि यही गति रही तो संभव है हमारी संसद राजनीतिक परिवारों का अड्डा बन कर रह जाये—यानी फिर वही वंशवादी राजनीति जिससे छुटकारा पाने के लिए हमने जनतांत्रिक व्यवस्था को स्वीकारा था। इस व्यवस्था में वंश-परंपरा नहीं, नागरिक की योग्यता-क्षमता का स्वीकार ही किसी के राजनीति में आने का आधार है। परिवारवादी राजनीति जनतांत्रिक मूल्यों को नकारती है। ऐसा नहीं है कि राजनीतिक परिवार का होने के कारण कोई व्यक्ति राजनीति में आने लायक न समझा जाये, पर उसके राजनीति में स्थान पाने का कारण उसका परिवार नहीं होना चाहिए। माता या पिता का राजनीतिक वर्चस्व संतान को राजनीति में योग्यता का प्रमाणपत्र नहीं देता। व्यक्ति को अपनी क्षमता प्रमाणित करने का अवसर मिलना ग़लत नहीं है, पर इसका आधार किसी राजनीतिक परिवार का होना नहीं हो सकता। आज यदि प्रधानमंत्री गैर-राजनीतिक परिवारों के युवाओं को आगे लाने की बात करते हैं तो उन्हें अपनी करनी से भी यह दिखाना होगा कि वे सिर्फ जुमलेबाजी नहीं कर रहे। पर भाजपा तथा अन्य राजनीतिक दलों में जो हो रहा है वह इस संदर्भ में निराश ही करता है। यह स्थिति कब और कैसे बदलेगी, यह सोचना होगा हमें—यानी हर नागरिक को।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

धान की पीड़ा

पंजाब में धान की भरपूर पैदावार के बाद किसानों का हैरान-परेशान होना व्यवस्था की विसंगतियों व तंत्र की नाकामी को ही दर्शाता है। राज्य की अनाज मंडियों में धान बहुतायत में पड़ा होना न केवल खरीद एजेंसियों की अक्षमता को दर्शाता है बल्कि केंद्र और राज्य सरकारों में व्यावहारिक तालमेल न होना भी बताता है। जिसके चलते विपणन से जुड़े हितधारक विरोध जता रहे हैं। विडंबना देखिए कि किसान खून-पसीने से उगायी फसल को भी समय पर नहीं बेच पाने से परेशान हैं। किसान धीमी खरीद प्रणाली से चिंतित हैं। वहीं चावल मिल मालिकों की दलील है कि उनके पास अतिरिक्त भंडारण की क्षमता नहीं है। दूसरी ओर धान की खरीद से जुड़े आढ़ती अपने कमीशन को बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से ये हालात किसानों को परेशान करते हैं और खरीद प्रणाली में सुधार की जरूरत को बताते हैं। विडंबना है कि यह सारा हंगामा एक ऐसी फसल को लेकर हो रहा है, जिसको उगाने में प्रयुक्त पानी ने राज्य में एक गंभीर जल संकट को जन्म दे दिया है। वजह है धान की फसल की पैदावार बढ़ाने के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन। फलत- राज्य का एक बड़ा इलाका मरुस्थलीकरण की ओर उन्मुख है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल उठता है कि पंजाब आखिर कब तक धान की खेती के जरिये अपने इन अनमोल प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात करता रहेगा? इसमें दो राय नहीं है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी पर सुनिश्चित खरीद पंजाब के धान उत्पादकों को केंद्रीय पूल में अधिक अनाज के योगदान के लिये प्रेरित करती रही है। निस्संदेह, हरित क्रांति के बाद देश की खाद्य सुरक्षा श्रृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब का बड़ा योगदान रहा है। जिसके चलते देश खाद्यान्न संकट व कुपोषण के अभिशाप से किसी हद तक मुक्त हो सका है। जबकि एक हकीकत यह भी है कि यह फसल पंजाब का मुख्य भोजन नहीं रही है। निश्चित तौर पर केंद्र व राज्य सरकार को तालमेल बनाकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में लबालब भरे अन्न भंडार राज्य की अपेक्षाओं और केंद्र की आवश्यकताओं के बीच तालमेल के अभाव को दर्शाते हैं। विडंबना देखिये, इसी धान के उत्पादन का एक प्रतिप्रभाव यह भी है कि पंजाब के हिस्से में प्रदूषण बढ़ाने वाला पराली दहन का आक्षेप आता है। जिसे उत्तर क्षेत्र में अक्तूबर-नवंबर में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण का प्रमुख घटक बताया जाता रहा है। जबकि हकीकत यह है कि एक तो किसानों को पराली निस्तारण का कारगर विकल्प केंद्र व राज्य सरकारें नहीं दे पायी हैं। वहीं दूसरी ओर किसानों के पास रबी की फसलों की बुआई के लिये अधिक समय नहीं बचा होता। जिसके चलते उनको पराली जलाने के अलावा दूसरा कारगर विकल्प नजर नहीं आता। बहरहाल, इस चौतरफा संकट के बीच यह स्पष्ट हो गया है कि पंजाब में धान की खेती की समाप्ति के लिए चरणबद्ध तरीके से बहुप्रचारित फसल विविधीकरण योजना को अविलंब लागू किया जाना चाहिए। इस योजना के क्रियान्वयन में देरी कई तरह के संकटों को बढ़ावा ही देगी। यह एक हकीकत है कि लंबे समय तक किसानों का धान की ही खेती करना, राज्य के लिये घातक ही साबित होगा। ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के साल भर चले आंदोलन से कोई सबक नहीं सीखा। हालिया घटनाक्रम से किसानों की वह आशंका बलवती हो रही है कि केंद्र सरकार लंबे समय तक धान की खरीद को जारी नहीं रखना चाहती।

रसीले भोजन में जहरीले रसायन

दीपिका अरोड़ा

भारत में सदैव बाज़ार में बने खाने की अपेक्षा घर में तैयार भोजन को प्राथमिकता दी जाती रही है लेकिन व्यस्त जीवनशैली के चलते आजकल लोग पैक्ड फूड को प्राथमिकता देने लगे हैं। खासकर कामकाजी युवा पीढ़ी खाना बनाने को उबाऊ और समय खपाने वाली प्रक्रिया मानने लगी है। दरअसल विभिन्न एप्स पर एक क्लिक पर ऑनलाइन उपलब्ध पैक्ड फूड के विक्रेताओं ने इस प्रवृत्ति में और इजाफा किया है। वहीं डिब्बाबंद फोजन फूड भी खूब खाया जा रहा है। लेकिन यह फास्ट फूड की कल्चर सेहतमंद गुणवत्ता वाले खाने से वंचित कर रही है। साथ ही विभिन्न अध्ययनों व शोधों में खाने की पैकेजिंग में मौजूद रसायनों के भोजन के संपर्क में आने के चलते होने वाली रासायनिक प्रक्रिया के खतरे भी सामने आने लगे हैं। यही कारण है कि घर की रसोई में पका अन्न प्रत्येक प्रकार से सर्वोत्तम माना गया। प्रमुख कारण रहा स्वच्छता व पौष्टिकता आदि की कसौटी पर इसका ख़रा उतरना। दरअसल, निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं ने हमारे जीने का ढंग ही बदलकर रख दिया है। ज़िंदगी की आपाधापी में अधिकतर लोगों के पास न तो भोजन बनाने का समय है, न ही रुचि व न ही खाने का सलीका। पाश्चात्य सभ्यता की पैक्ड फूड कल्चर काफी हद तक भारतीय समाज पर प्रभावी हो चुकी है, बिना यह जाने कि जिन धातुओं में विविध खाद्य सामग्री पैक होकर हम तक पहुंच रही है, स्वास्थ्य के लिहाज़ से वे शरीर के लिए कितनी घातक सिद्ध हो सकती हैं। जर्नल ऑफ एक्सपोज़र साइंस एंड एनवायरमेंटल एपिडेमियोलॉजी में ज्यूरिख के फूड पैकेजिंग फोरम फाउंडेशन के अध्ययन के मुताबिक, फूड पैकेजिंग में उपयोग होने वाली सामग्री के ज़रिये मानव शरीर में 3,600 से अधिक रसायन प्रविष्ट होने की संभावना है। इनमें से कुछ केमिकल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शोधकर्ताओं द्वारा लगभग 14,000 रसायनों की सूची बनाई गई, जोकि प्लास्टिक, धातु, कागज़ या कांच जैसी पैकेजिंग सामग्री के माध्यम से न केवल खाद्य पदार्थों में शामिल हो सकते हैं, बल्कि भोजन तैयार करने के दौरान रसोईघर के बर्तनों आदि के संपर्क में आने पर भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। इनकी उपस्थिति का पता लगाने हेतु शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के दौरान मानव में रसायन ट्रैक करने वाले मौजूदा बायोमॉनिटरिंग डाटाबेस की जांच भी शामिल की। कुछेक केमिकल मिलने की संभावना से की गई इस जांच में कुल 3,601 रसायन मिले। भोजन के संपर्क में आने वाले सभी ज्ञात केमिकल्स का यह लगभग एक-चौथाई बनता है। शोधकर्ता बिरगिट ग्यूके के अनुसार, इनमें से लगभग 100 रसायन मानव शरीर के लिए बेहद घातक हैं, जबकि अन्य अनेक रसायनों के दुष्प्रभावों के बारे विस्तार से जानना अभी शेष है। शोधकर्ताओं द्वारा दी गई चेतावनी के तहत ये केमिकल परस्पर क्रिया कर सकते हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों और पैकेजिंग के बीच मौजूद संपर्क को कम करने के साथ ही भोजन को पैकेजिंग सामग्री में गर्म न करने की सलाह दी गई है। अध्ययन के मुताबिक़, इनमें से 'पर-एंड पॉली-फलोरो अल्काइल सब्स्टेंसेज' (पीएफएएस) तथा 'बिस्फेनॉल ए' केमिकल मानव शरीर में पहले ही मौजूद पाए जा चुके हैं, जिन पर प्रतिबंध लगाए जाने की तैयारी चल रही है। प्लास्टिक में उपयोग होने वाला केमिकल 'बिस्फेनॉल ए' हार्मोन प्रभावित करने के लिए जाना जाता है। अतः पहले ही कई देशों में शिशुओं के लिए उपयोग होने वाली बोतलों के निर्माण में इसके प्रयोग पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। ये सभी रसायन हमारे भोजन तक किस प्रकार पहुंच बनाते हैं, अध्ययन में अभी यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई; न ही यह साबित हो पाया कि ये सभी केमिकल्स सिर्फ फूड पैकेजिंग के माध्यम से ही भोजन में समाविष्ट हुए। हो सकता है अन्य संभावित स्रोतों की भी इस संदर्भ में कोई भूमिका हो! हालांकि यह तो तय ही है कि शुद्धता व स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से 'पैक्ड फूड' किसी भी आधार पर घर पर तैयार भोजन की बराबरी नहीं कर सकता है। जीवन को सुविधाजनक बनाने की चाह में कहीं भी, जैसे-कैसे कुछ भी खा लेने की आदत बिल्कुल तार्किक नहीं। किसी भी कार्य को सुनियोजित ढंग से करने के लिए शरीर का सेहतमंद होना बेहद आवश्यक है किंतु ऐसा तभी संभव हो पाएगा, जब हमारा आहार शुद्ध, पौष्टिक एवं रसायन मुक्त हो। भोजन खाने का निर्धारित समय होने के साथ ग्रहण करने की मुद्रा व माहौल भी सही हो। मानव शरीर प्रकृति प्रदत्त वरदान है, जिसे स्वस्थ बनाए रखने का पूरा दायित्व हमारा ही है। जरूरत समय को लेकर बेहतर व्यवस्था एवं भोजन पकाने के प्रति रुचि उत्पन्न करने भर की है। घर की रसोई से प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन जो आत्मसंतुष्टि देता है, उसका अहसास आकर्षक पैकेजिंग में लिपटे रेडी टू ईट व्यंजनों में भला कहां? 'जैसा खाए अन्न, वैसा होय मन', विद्वान लोग हमेशा से यही कहते आए हैं। निरंतर बढ़त बनाते रोगों के साथ समाज में नैतिक स्तर पर वैचारिक प्रवाह को प्रदूषित बनाने में आंशिक ही सही, कुछ न कुछ हिस्सा तो इन पैकिंग मेटीरियल रसायनों का भी तो होगा। निरोगी तन-मन यकीनी बनाने के परिप्रेक्ष्य में मार्डन फूड कल्चर के इस हानिकारक पक्ष पर विचार करने की जरूरत है।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है।

मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र द्वार ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्रार कमल है।

यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं। उस उत्तेजना से सहस्र दल कमल की प्रसुप्त स्थिति जागृति में बदलती है। यह खेचरी मुद्रा है। इस स्तर पर अनुभव होने वाले उपादानों का वैज्ञानिक विश्लेषण अभी बाकी है। अध्यात्मविदों के अनुसार यदि भावना और क्रिया का सही समन्वय करके इस साधना को किया जा सके तो चेतना क्षेत्र में आनन्द और कार्य क्षेत्र में उल्लास की उपलब्धि होती है।

विचार मंथन

गुजराती ठगों की देश और दुनिया में हो रही है चर्चा

(लेखक- सनत जैन)

पिछले कुछ वर्षों में गुजरात एक ऐसे राज्य के रूप में उभरा है, जिसकी कई तरीके से नई पहचान बनती जा रही है। अब एक नई पहचान सारे देश और दुनिया में देखने को मिल रही है, ठगी के रूप में। गुजरात के ठगों ने अपने कौशल का झंडा देश और विदेशों तक में गाड़ दिया है। विभिन्न प्रकार से संगठित ठगी और धोखाधड़ी के मामले में गुजरात के ठग सारी दुनिया के देशों में सुर्खियों में बने हुए हैं। गुजराती ठगों ने समाज के हर वर्ग को निशाना बनाया है। आम नागरिक हों, या उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी, नेताओं और बैंकों को भी चूना लगाने की महारत गुजराती ठगों के पास है। ऐसा कौन सा काम बाकी रह गया है, जो गुजरात के ठगों द्वारा नहीं किया जा सकता है। गुजरात को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल और मोहम्मद अली जिन्ना के कारण सारी दुनिया में जाना जाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने भी विश्व में अपनी पहचान विश्व गुरु के रूप में बनाई है। दूसरी ओर गुजराती ठग देश एवं दुनिया में गुजरात की नई छवि ठगी के क्षेत्र में बना रहे हैं। गुजरात के ठगों की हिम्मत और चालाकी इतनी बढ़ चुकी है कि वो फर्जी जज, फर्जी वकील और फर्जी ट्रिब्यूनल बनाकर कई सालों तक लोगों को ठगने का हुनर जानते हैं। इसके अलावा हजारों करोड़ रुपए की सरकारी जमीन कबजाने में भी यह ठग पीछे नहीं रहे हैं। ताजा मामला गांधीनगर के मॉरिस सैमुअल का है, जिसने फर्जी अदालत लगाकर पांच साल तक लोगों को अपने जाल में फंसाया। पोल खुलने के पहले तक उसने विवादित जमीनों के फैसले सुनाकर अरबों रुपए की जमीन हेराफेरी कर दी। इसी तरह किरण पटेल नामक ठग का मामला भी चौंकाने वाला है। जिसने खुद को पीएमओ का अधिकारी बताकर, कश्मीर तक वीआईपी ट्रीटमेंट और सुरक्षा को लेकर करोड़ों रुपए की ठगी कर ली। वह भी कश्मीर जैसे राज्य में, जहां चप्पे-चप्पे पर पुलिस और मिलिट्री का पहरा होता है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए हजारों करोड़ों रुपए की ठगी के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। ये घटनाएं केवल राज्य या देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि गुजरात से जुड़े ठगों का जाल देश के सभी राज्यों और विदेशों तक फैला है। अमेरिका जैसे देश में गुजराती ठग ने फर्जी ग्रीन कार्ड से लेकर बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय आर्थिक घोटाले के मामले सामने आ चुके हैं। भारतीय बैंकों से हजारों करोड़ों रुपए की ठगी करके कई कारोबारी गुजराती ठग विदेशों में जाकर रह रहे हैं। उन्होंने भारत से भाग कर विदेशों की नागरिकता ले ली है। भारत सरकार एक भी ठग को विदेश से भारत वापस नहीं ला पाई है। सवाल यह है, कि आखिर गुजराती ठगों के इतने मामले क्यों सामने आ रहे हैं। 2014 के बाद से बड़ी संख्या में गुजराती ठगों को जहां मौका मिलता है, वहीं ठगी करना शुरू कर देते हैं। दुनिया और ब्रह्मांड में ऐसी कोई चीज नहीं है। जो गुजराती ठगों की जद से बाहर हो। गुजरात के ठगों को कानून और सजा का कोई डर नहीं रहा। क्या, ठगों को राजनेताओं, न्यायपालिका और प्रशासन का संरक्षण मिल रहा है? भ्रष्टाचार और सांठ-गांठ की गहरी जड़ें राजनेताओं, न्यायिक अधिकारियों, प्रशासन और पुलिस तक अपनी जड़ें जमा चुकी हैं। जो भी हो, स्पष्ट है, कि गुजरातियों को ठगी के क्षेत्र में सारी दुनिया में विशिष्ट माना जाने लगा है। गुजरात के ठगों ने अपने कौशल से यह साबित कर दिया है। देश और विदेश की पुलिस और कानून व्यवस्था उनकी ठगी के रास्ते में रुकावट नहीं डाल सकती हैं। कभी किसी बड़े उद्योगपति ने तीन दशक पहले चांदी के जूते की ताकत को सार्वजनिक किया था। चांदी का जूता बड़ा चमत्कारी होता है। यह हर किसी की आंख, कान और मुंह बंद रखने की क्षमता रखता है। यही एक कारण है, गुजरात के ठग, ठगी करने के बाद पूरी तरह से निश्चिंत रहते हैं। उनके पास हमेशा चांदी का जूता होता है। चांदी के जूते के बल पर वह ठगी का पैसा, सुरक्षित रख पाते हैं। ठगी के पैसे से देश एवं विदेशों में गुजराती ठग ऐश कर रहे हैं। अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं कि गुजरात के ठगों को कॉलेज और विश्वविद्यालय खोलकर इसकी डिग्रियां भी बांटना चाहिए। ताकि ठगी का यह गुण आम जनता भी सीख सके। ठगी के सहारे सारी दुनिया के देशों में भारत को आर्थिक दृष्टि से भारत को प्रथम पंक्ति में आकर खड़ा कर सकें। भारत में जिस तरह से ठगी की घटनाएं बढ़ रही हैं। उसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। गुजरात की जो छवि संपूर्ण देश एवं दुनिया में बनती जा रही है, इसका भारत की छवि पर खराब असर पड़ रहा है।

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊत्तकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

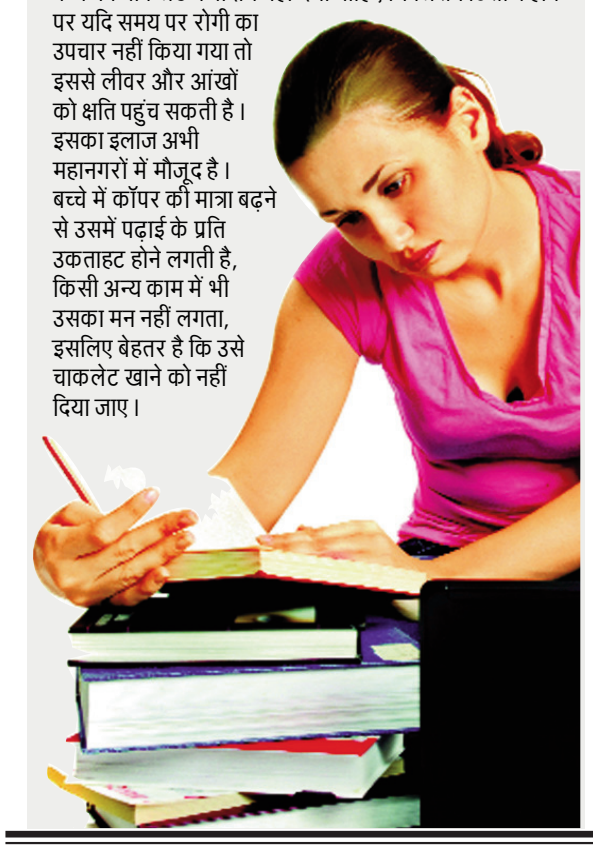

अगर आपके कंधों, बाहों में जोर का दर्द है और लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच और परीक्षण कराने की जरूरत है।

कंधों-बांहों में दर्द का कारण रोटेटर कफ इंजरी

चार पेशिया कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है :

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

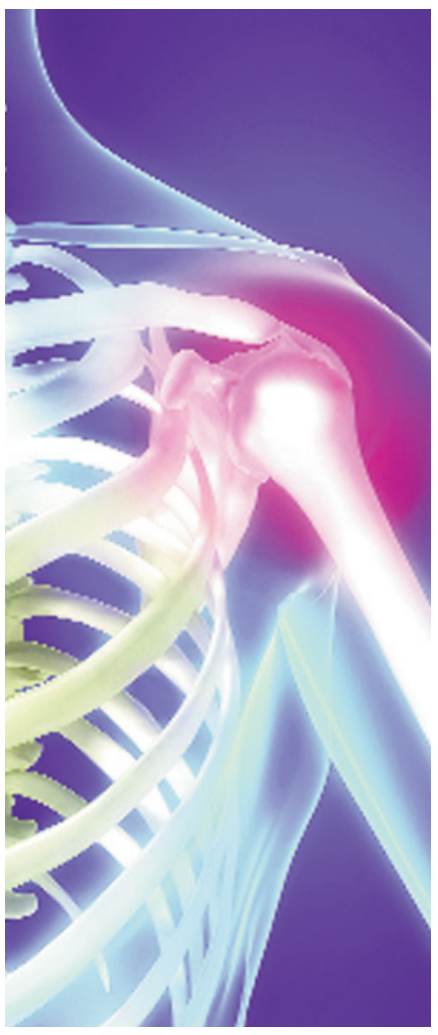

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं :

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु :शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन :संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय : दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।

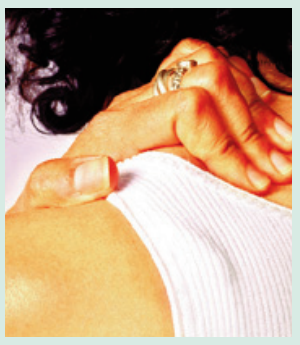

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है। आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

अशोक लेलैंड को चेन्नई एमटीसी से मिला 500 इलेक्ट्रिक बसों का ठेका

इनमें से 400 बसें गैर-वातानुकूलित होंगी, जबकि 100 बसें वातानुकूलित होंगी

नई दिल्ली । वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड की इकाई ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी को चेन्नई स्थित मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से 12 मीटर लंबी 500 अल्ट्रा-लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों का ठेका मिला गया है। कंपनी बयान के अनुसार मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) से मिले ठेके के अनुसार अशोक लेलैंड की एक अन्य अनुषंगी कंपनी स्विच मोबिलिटी, ओएचएम को स्विच ईआईवी12 मॉडल बसों की आपूर्ति करेगी। इनमें से 400 बसें गैर-वातानुकूलित होंगी, जबकि 100 बसें वातानुकूलित होंगी। ओएचएम अशोक लेलैंड की इलेक्ट्रिक परिवहन शाखा है, जो मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस व्यवसाय पर केंद्रित है। अशोक लेलैंड के एक अ धिकारी ने कहा कि हम इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर बढ़ने को प्रतिबद्ध हैं। एमटीसी के साथ यह साझेदारी स्वच्छ एवं अधिक कुशल परिवहन प्रणाली बनाने की दिशा में एक कदम है।

मोबिक्विक ने 9.5 फीसदी ब्याज दर वाली एफडी पेश की

- सात दिनों से लेकर 60 महीने तक की जमा अवधि चुन सकते हैं

नई दिल्ली । डिजिटल वित्तीय सेवा मंच मोबिक्विक ने वित्तीय सेवा कंपनियों के साथ साझेदारी में अपने मोबाइल ऐप पर त्वरित सावधि जमा (एफडी) उत्पाद पेश करने की घोषणा की। मोबिक्विक ने एक बयान में कहा कि इस वित्तीय उत्पाद का उद्देश्य अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बचत प्रक्रिया को सरल बनाना है। कंपनी ने सावधि जमा उपयोगकर्ताओं को 1,000 रुपये से निवेश शुरू करने और नया बैंक खाता खोले बगैर सालाना 9.5 प्रतिशत तक का रिटर्न पाने की पेशकश की है। उपयोगकर्ता सात दिनों से लेकर 60 महीने तक की जमा अवधि चुन सकते हैं।

गुजरात सरकार बारिश से प्रभावित किसानों को 1,419 करोड़ को राहत पैकेज देगी

राज्य सरकार बजट से 322.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी

नई दिल्ली । गुजरात सरकार ने इस साल अगस्त में राज्य के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण नुकसान का सामना करने वाले किसानों के लिए 1,419.62 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 1,097.31 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा, जबकि राज्य सरकार बजट से 322.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। राहत पैकेज की घोषणा 20 प्रभावित जिलों - पंचमहल, सुरेंद्रनगर, नवसारी, देवभूमि द्वारका, खेड़ा, आनंद, भरूच, वड़ोदरा, मोरबी, जामनगर, कच्छ, तापी, दाहोद, डांग, अहमदाबाद, राजकोट, जूनागढ़, सूरत, पाटन और छोटा उदयपुर के 136 तालुकों में नुकसान-मूल्यांकन सर्वेक्षण के बाद की गई।

मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगा: दास

- भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता है। वर्तमान में सबसे अच्छा तरीका लचीला रहना होगा। केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगा। महीने की शुरुआत में हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा देते हुए दास ने कहा कि मौद्रिक नीति केवल मूल्य स्थिरता बनाए रखने से ही स्थायी विकास का समर्थन कर सकती है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बेंचमार्क ब्याज दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया है, जो लगातार दसवीं बार है जब एमपीसी ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, समिति ने अपनी स्थिति समायोजन की वापसी से तटस्थ में बदल दी है। एमपीसी की बैठक के ब्योरे के अनुसार दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिरता और ताकत की तस्वीर प्रस्तुत करती है और मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से स्थापित है। उन्होंने कहा` कि

मुद्रास्फीति में निकट अवधि में बढ़ोतरी के बावजूद, साल के अंत में और अगले साल की शुरुआत में हेडलाइन मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण 4 प्रतिशत लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की ओर इशारा करता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई । रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 प बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.06 प्रा डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद एक पैसे की गिरावट के सा 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर क स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूल बढ़त के साथ 104.20 पर रहा।

एचयूएल अपने आइसक्रीम कारोबार को अलग करेगी

- कंपनी को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

दिग्गज एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने आइसक्रीम कारोबार को अलग करने की घोषणा करते हुए कहा कि इस पर निष्पक्ष विचार के लिए स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है। एचयूएल के आइसक्रीम कारोबार में क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे ब्रांड शामिल हैं। एचयूएल के निदेशक मंडल की हाल ही में हुई बैठक में आइसक्रीम कारोबार को अलग करने का फैसला किया गया। यह कदम एक स्वतंत्र समिति की सिफारिश पर आधारित है जिसका गठन इस साल सितंबर में किया गया था। इस समिति ने कहा है कि कंपनी के कारोबार में तीन प्रतिशत का योगदान देने वाले आइसक्रीम कारोबार का एक अलग परिचालन मॉडल है जो कंपनी के अन्य व्यवसायों के साथ तालमेल को सीमित करता है। इस मॉडल में शीत भंडारण संरचना और एक अलग चैनल परिदृश्य शामिल है। कंपनी के एक अ धिकारी ने तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि एचयूएल ने आइसक्रीम कारोबार का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया है। हालांकि, उन्होंने इससे जुड़ा विवरण साझा नहीं किया। उन्होंने कहा कि आइसक्रीम कारोबार को प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिये अलग किया जाएगा। इससे कंपनी को अपने मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने और सौंदर्य, खाद्य पदार्थ, स्वास्थ्य एवं तंदरुस्ती जैसे खंडों में खुद को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

अरिहंत अकादमी ने 17 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर ज़ील अकादमी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

भारत। अरिहंत अकादमी लिमिटेड एसएससी, आईसीएसई, सीबीएसई, विज्ञान और वाणिज्य के लिए मुंबई का प्रमुख कोचिंग संस्थान है। (NSE: ARIHANTA-CA) ने ज़ेन एजुकेशनल एंड लर्निंग (ज़ील एकेडमी) में एक बड़ी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है, जो एक कोचिंग संस्थान है जो आईआईटीयन और डॉक्टर तैयार करने के अपने उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। मूल्यांकन रु. 7 करोड़. इस सुनियोजित अधिग्रहण के साथ, अरिहंत अकादमी मुंबई महानगरीय क्षेत्र में अपने शैक्षिक पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण पद्धति के साथ एक बड़े छात्र आधार को पूरा करेगी।

यह अधिग्रहण विज्ञान और वाणिज्य में अरिहंत अकादमी के व्यापक संसाधनों और विशेषज्ञता को आईआईटी, जेईई (मेन्स और एडवांस्ड) और एनईईटी पर जेआईएल अकादमी के विशेष फोकस के साथ जोड़ देगा। छात्र इसके सबसे बड़े लाभार्थी होंगे, क्योंकि उन्हें हर जगह दोनों संस्थानों के उत्तम बुनियादी ढांचे और उच्च शैक्षणिक मानकों तक पहुंच प्राप्त होगी। इसके अलावा, एसटीईएम छात्र अपनी शैक्षिक यात्रा के दौरान व्यापक, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। यह नवी मुंबई में अरिहंत की उपस्थिति का भी विस्तार करेगा।

हस्ताक्षर समारोह में बोलते हुए, अरिहंत अकादमी के प्रबंध निदेशक अनिल कपासी ने कहा, "यह अधिग्रहण नए भौगोलिक बाजारों में हमारी उपस्थिति का विस्तार करने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। अरिहंत अकादमी की सिद्ध शिक्षण पद्धति के साथ ज़ील अकादमी की स्थानीय विशेषज्ञता को जोड़कर, हम एक व्यापक शिक्षा प्रदान करेंगे।" इसका उद्देश्य महानगरीय क्षेत्र में छात्रों के लिए एक मजबूत शैक्षिक पाइपलाइन का निर्माण करना है। यह हमें अपने संसाधनों को एकत्रित करने, शैक्षिक यात्रा को समृद्ध करने और उच्च स्तर के छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सक्षम बनाएगा। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और साझेदारों को आगे बढ़ाने के हमारे लक्ष्य के साथ हमारा मानना है कि यह कदम हमारी पेशकश को बढ़ाएगा और शैक्षिक क्षितिज पर हमारी पहुंच को व्यापक बनाएगा।"

आईआईटियंस द्वारा स्थापित, ज़ील एकेडमी के पास 1000 आईआईटियन तैयार करने का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इसने अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने वाले छात्रों के ट्रैक रिकॉर्ड के लिए एक मजबूत प्रतिष्ठा अर्जित की है। अकादमी कक्षा 8-10 के लिए फाउंडेशन पाठ्यक्रम के साथ-साथ जेईई मेन और एडवांस्ड और एनईईटी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कक्षा 11 और 12 के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सहित कई प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

ज़ील एकेडमी के पार्टनर कुणाल पाठक ने कहा, "यह निवेश उत्कृष्टता हासिल करने का हमारा उदाहरण है और ज़ील एकेडमी के विकास और नवाचार की यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करता है और हमें अपनी पेशकशों का विस्तार करने में मदद करता है। इसलिए एक बेजोड़ सीखने के अनुभव के साथ हमारे छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण तालमेल बनाना।"

उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ 28 अक्टूबर, को होगा बंद

मुंबई। उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के रूप में काम करती है। जो क्रेडिट समाधान और वित्तीय उत्पादों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी का आईपीओ 24 अक्टूबर 2024 को खुल गया है। जिससे रु. 98.45 करोड़ जुटाने का लक्ष्य है. शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाना है।

इश्यू का आकार रू10 के अंकित मूल्य पर 58,60,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयर आवंटन---

क्यूआईबी शेयर - 16,60,800 इक्विटी शेयर तक

नेट क्यूआईबी - 11,08,000 इक्विटी शेयर तक

गैर-संस्थागत निवेशक - 8,31,200 से कम इक्विटी शेयर नहीं

खुदरा व्यक्तिगत निवेशक - 19,39,200 से कम इक्विटी शेयर नहीं

मार्केट मेकर कोटा - 3,20,800 इक्विटी शेयर

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी के पूंजी आधार, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और निर्गम व्यय को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग 23 अक्टूबर, 2024 को खुली और इश्यू 28 अक्टूबर, 2024 को बंद हो जाएगा।

इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर नारनोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और यूनिस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड हैं, इश्यू के रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड हैं।

उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक श्री राजेश गुप्ता ने कहा, "हमें अपनी यात्रा और उपलब्धियों पर विचार करने पर गर्व है। हम भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत एनबीएफसी के रूप में काम कर रहे हैं। हम एनबीएफसी, एमएसएमई और को विविध क्रेडिट समाधान प्रदान करते हैं।" व्यक्तियों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए। हमारे वित्तीय उत्पादों में इलेक्ट्रिक वाहन वित्तपोषण भी शामिल है, जो पर्यावरण-अनुकूल परिवहन और स्वच्छ वातावरण का समर्थन करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईपीओ हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। हमारा मानना है कि सार्वजनिक होने से हमारी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी. भारत में हमारे शेयरों के लिए एक बाजार स्थापित होगा और व्यापार वृद्धि के लिए प्रमुख पहलों को समर्थन मिलेगा। यह कदम हमें दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार करते हुए मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।"

रिलायंस पावर को 1,525 करोड़ जुटाने शेयरधारकों की मंजूरी मिली

डाक मतपत्र के जरिये प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत से पारित कर दिया गया

नई दिल्ली ।

रिलायंस पावर को तरजीही शेयर जारी कर 1,524.60 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि डाक मतपत्र के जरिये प्रस्ताव को अपेक्षित बहुमत से पारित कर दिया गया है। डाक मतपत्र नोटिस के अनुसार कंपनी 33 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 46.20 करोड़ शेयर और/या समतुल्य संख्या में शेयर में परिवर्तनीय वारंट के तरजीही निर्गम के जरिये 1,524.60 करोड़ रुपये तक जुटाएगी। रिलायंस पावर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 23 सितंबर को तरजीही निर्गम के जरिये 1,525 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए इसमें 600 करोड़ रुपये डालेंगे। तरजीही निर्गम से कंपनी की नेटवर्थ करीब 11,155 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,680 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।

शिक्षा में निवेश के मामले में भारत ने कई पड़ोसी देशों को पछाड़ा

- भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 से 17.2 फीसदी के बीच रहा है

मुंबई ।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने हाल ही में भारत की शिक्षा बजट में आवंटन को लेकर सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से 2024 के बीच भारत ने अपनी जीडीपी का 4.1 फीसदी से 4.6 फीसदी शिक्षा के लिए आवंटित किया है, जो शिक्षा 2030 फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इस फ्रेमवर्क के तहत देशों को जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा के लिए खर्च करने की सिफारिश की गई है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट फॉर स्टैटिस्टिक्स की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 फीसदी से 17.2 फीसदी के बीच रहा है, जो एजुकेशन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। यह लक्ष्य सरकारों को सार्वजनिक व्यय का 15-20 फीसदी शिक्षा में खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करता है।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का शिक्षा निवेश अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बना हुआ है और वह अपने पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक निवेश कर रहा है। नेपाल और भूटान जैसे देशों के विपरीत, जहां जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा पर खर्च होता है, भारत का खर्च जीडीपी और सरकारी व्यय के प्रतिशत के मामले में अफगानिस्तान और पाकिस्तान से कहीं अधिक है। रिपोर्ट में इस बात पर रोशनी डाली गई है कि कुल खर्च के प्रतिशत के रूप में, विश्व औसत में गिरावट आ रही है। मध्य और दक्षिणी एशिया के देश 2010 के दशक की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। साल 2022 में, मध्य और साउथ एशिया में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर भारत का खर्च केवल भूटान (7.5 प्रतिशत), कजाकिस्तान (7.2 प्रतिशत), मालदीव (4.7 प्रतिशत), ताजिकिस्तान (5.7 प्रतिशत) और उज्बेकिस्तान (5.2 प्रतिशत) से कम है।

यूपी और राजस्थान में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 75.41 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भले ही गिरावट आई है, लेकिन देश के कई शहरों में गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम बढ़ गए हैं। यूपी के शहरों से लेकर राजस्थान के धोरों तक तेल के रेट में बदलाव हुआ है।

सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल और डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं, जिसमें दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 18 पैसे महंगा होकर 95.01 रुपये लीटर बिक रहा है।

डीजल भी 18 पैसे चढ़ा और 88.14 रुपये लीटर पहुंच गया है। पड़ोसी गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 6 पैसे गिरकर 94.65 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 7 पैसे टूटकर 87.75 रुपये लीटर बिक रहा है। राजस्थान के सीकर जिले में पेट्रोल 82 पैसे महंगा हो गया और 106.17 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 74 पैसे चढ़कर 91.52 रुपये लीटर हो गया है।

कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट आई है।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 75.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ले यूटीआई भी थोड़ा गिरकर 71.25 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

लाइफस्टाइल के नए कलेक्शन के साथ अपने फेस्टिव स्टाइल का मनाएं जश्न

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख फैशन डेस्टिनेशन लाइफस्टाइल ने इस सीजन के लिए अपना एक्सक्लूसिव फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च किया है, जो आपके त्योहारों के खास पलों में स्टाइल और सोफिस्टिकेशन का एक नया तड़का लगाएगा।

लाइफस्टाइल का नया फेस्टिव कलेक्शन हर किसी के लिए कुछ खास लेकर आया है। पारंपरिक और फ्यूजन एथनिक वियर की टाइमलेस अपील से लेकर आधुनिक वेस्टर्न स्टाइल्स की ग्लैमर तक, यह कलेक्शन स्टाइल और आकर्षण का शानदार मिश्रण है। इस कलेक्शन में नए डिजाइन वाले कुर्ता सेट्स, मॉडर्न सिल्हूट्स, बोल्ड रंग और शानदार पैटर्न्स हैं, जो फेस्टिव फैशन को एक स्टाइलिश टच देते हैं।

फेस्टिव के लिए मौजूदा कलेक्शंस: विमेंसवियर: नए फेस्टिव कलेक्शन में महिलाओं के लिए कई पैटर्न्स और सजीव रंगों से सजे हुए एथनिक वियर ऑप्शन की लंबी रेंज मौजूद है। फ्लोरल और बोटैनिकल्स से प्रेरित पहनने में यह आसान कुर्ते और सेट्स दिन के सेलिब्रेशन्स के लिए एकदम परफेक्ट हैं। पारंपरिक और आधुनिक एस्थेटिक्स को पसंद करने वालों के लिए, यह कलेक्शन समकालीन ब्लॉक-प्रिंट्स, अजरख से प्रेरित पैटर्न्स, और उत्कृष्ट सिल्हूट्स जैसे अनारकली, स्ट्रेट-फिट्स, कुर्ता सेट्स में सजाए गए आकर्षक डिजाइन्स पेश करता है, जो त्योहारों के लिए एकदम सही विकल्प हैं।

जो लोग मॉडर्न स्टाइल चाहते हैं, उनके लिए यह फेस्टिव कलेक्शन आकर्षक गोल्ड और प्लेटिनम ड्रेसेस और स्टाइलिश टॉप्स पेश करता है।

मेंसवियर: वहीं, दूसरी ओर पुरुषों के लिए नए फेस्टिव कलेक्शन में ट्रेडिशनल और मॉडर्न स्टाइल का अनूठा मेल लेकर आया है, जिसमें कुर्ते और जैकेट्स की शानदार रेंज शामिल है।

बादाम की ताकत से दिवाली मनाएं सेहतमंद तरीके से

दिवाली एक ऐसा खूबसूरत त्योहार है, जिसमें लोग रोशनी और खुशियों के साथ मिलकर जश्न मनाते हैं। लेकिन इस दौरान हम मीठी चीजें, तले हुए स्नैक्स और ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाले खाने का थोड़ा ज्यादा आनंद ले लेते हैं। दिवाली के दौरान भी आप सेहत से समझौता किए बिना त्योहार का आनंद उठा सकते हैं। बस कुछ पौष्टिक विकल्प अपनाने की जरूरत है। बादाम एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जिसे आप अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। बादाम में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो आपकी सेहत को बनाए रखते हैं। यह वजन और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मददगार होता है। जोश और उत्साह को बनाये रखने के साथ-साथ यह लंबे समय तक भूख को नियंत्रित करने में फायदेमंद। बादाम जैसे नट्स न केवल स्वादिष्ट हैं, बल्कि आपकी सेहत का भी ख्याल रखते हैं। तो इस बार दिवाली पर बादाम के साथ सेहतमंद स्नैकिंग का मजा लें और खुशियों का त्योहार पूरे जोश के साथ मनाएं!

न्यूट्रिशन और वेलनेस एक्सपर्ट, शीला कृष्णस्वामी का कहना है, "दिवाली खुशियों और जश्न का समय होता है, लेकिन इस दौरान खाने-पीने में संतुलन रखना भी जरूरी है। खासतौर पर मीठी चीजों से सावधान रहें, क्योंकि ये ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकती हैं। सेहतमंद विकल्पों को अपनाकर आप त्योहार का आनंद ले सकते हैं। त्योहारों में मिठाइयों और पकवानों में बादाम जैसी चीजें डालें, ताकि उन्हें पौष्टिक और सेहतमंद बनाया जा सके। रिफाइंड शुगर की जगह प्राकृतिक मिठास अपनाएं जैसे कि मिठाइयों में खजूर का इस्तेमाल करें, जिससे मिठास के साथ-साथ सेहत भी बनी रहे। बादाम से ब्लड शुगर पर नियंत्रण रखा जा सकता है क्योंकि मुट्ठीभर बादाम खाने से कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों का ब्लड शुगर पर असर कम होता है और यह फास्टिंग इंसुलिन को भी बेहतर बनाए रखता है। समझदारी से निर्णय लेकर चुने गए छोटे-छोटे बदलाव आपको सेहतमंद दिवाली का आनंद लेने में मदद करेंगे।"

पुणे टेस्ट : सुंदर के 7 विकेट ने न्यूजीलैंड को 259 पर समेटा, भारत 16/1

पुणे (एजेंसी)। पुणे के एमसीए स्टेडियम में गुरुवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन, भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को पहली पारी में 259 रन पर समेट दिया। इस मैच में ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर और रविचंद्रन अश्विन ने कमाल की गेंदबाजी की, जिससे न्यूजीलैंड की टीम एक समय मजबूत स्थिति में होने के बावजूद जल्दी ही ढेर हो गई। सुंदर ने अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया, उन्होंने 23.1 ओवर में 59 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जो उनके टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वोत्तम प्रदर्शन 89 रन पर 3 विकेट था। वहीं, अश्विन ने 24 ओवर में 64 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। दिलचस्प बात यह है कि यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार है, जब टीम के दोनों ऑफ स्पिनरों ने मिलकर सभी 10 विकेट लिए। वहीं भारत की शुरुआत भी खराब रही। अपनी पारी के तीसरे ओवर में टीम इंडिया ने अपने कप्तान का विकेट खो दिया। कप्तान रोहित शर्मा तीसरे ओवर की आखरी गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। उनका विकेट टीम साउदी ने लिया।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उनकी पारी की शुरुआत काफी मजबूत रही, 32 ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद ओपनर डेवोन कॉनवे (76) और रचिन रवींद्र (65) ने प्रभावशाली साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। न्यूजीलैंड की पारी के पहले तीन विकेट अश्विन के नाम रहे। इसके बाद जैसे ही सुंदर ने गेंदबाजी में धार दिखाई, पूरी स्थिति पलट गई। सुंदर ने एक के बाद एक विकेट चटकाते हुए न्यूजीलैंड की पारी को समाप्त कर दिया। टी ब्रेक के बाद, सुंदर ने अपने जादुई स्पेल में मेहमान टीम के अंतिम 5 बल्लेबाजों को आउट कर दिया। उनकी गेंदबाजी में प्रमुखता से बोल्ड आउट करने के तरीके का प्रयोग किया गया, जिससे उन्होंने 7 विकेट में से 5 बल्लेबाजों को बोल्ड किया।

इस दौरान अश्विन ने भी अपनी किफायती गेंदबाजी से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम को जल्दी ही आउट कर दिया, जिससे न्यूजीलैंड की पारी को एक बड़ा झटका लगा। पहले सत्र में, अश्विन ने कॉनवे को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि उन्होंने विल यंग को लेग पर कैच कराकर वापसी की।

अब टीम इंडिया ने दिन के खेल समाप्त होने तक एक विकेट खोकर 11 ओवर में 16 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा जल्दी ही आउट हो गए, लेकिन युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (6*) और शुभमन गिल (10*) ने नाबाद रहकर खेल को आगे बढ़ाया। भारत अभी न्यूजीलैंड के स्कोर से 243 रन पीछे है। आगामी दिनों में भारतीय बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के चुनौतीपूर्ण गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा, और उन्हें अच्छी शुरुआत की आवश्यकता है ताकि वे न्यूजीलैंड के स्कोर को पार कर सकें। यदि भारतीय बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो भारत इस टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

गत चैंपियन नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे, कहा- उम्मीद है कि अगले साल वापस आऊंगा

पेरिस (एजेंसी)। गत चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। आयोज इस 37 साल के खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह 'सिक्स किंग्स स्लैम' प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लिया था। आयोजकों ने जोकोविच के हटने का कोई कारण नहीं बताया है।

रैंकिंग में सबसे लंबे समय तक शीर्ष स्थान रहे सर्बिया के इस खिलाड़ी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, 'मुझे उन सभी लोगों के लिए खेद है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल वापस आऊंगा।'

जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने के फैसले से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को झटका लग सकता है। इसमें शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच फिलहाल एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर हैं। जननिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली आयोजन के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया है।

रोहित शर्मा के नाम हुआ एक शर्मनाक रिकॉर्ड, सचिन तेंदुलकर की बराबरी की

पुणे (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड दूसरे टेस्ट में रोहित शर्मा डक आउट हो गए। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर के एक शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। भारत के लिए सबसे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर संयुक्त रूप से छठे पायदान पर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर 34 बार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे, रोहित शर्मा का ये भी न्यूजीलैंड के खिलाफ 34वां डक था।

वहीं भारत के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी की बात करें तो, इस लिस्ट में 43 डक के साथ जहीर खान टॉप पर हैं। वहीं उनके अलावा इशांत शर्मा दूसरे ऐसे भारतीय हैं जो 40 या उससे ज्यादा बार 0 पर आउट हुए हैं। इशांत शर्मा के नाम भारत के लिए 40 डक का रिकॉर्ड है।

भारत के लिए सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर और कोई नहीं बल्कि विराट कोहली हैं। जी हां, कोहली भारत के लिए खेले 38 मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। हरभजन सिंह 37 डक के साथ चौथे नंबर पर कप्तान अनिल कुंबले 35 डक के साथ क्रमशः चौथे और पांचवें पायदान पर हैं। रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान कप्तान टिम साउदी ने पवेलियन की राह दिखाई साउदी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 14वीं बार हिटमैन को आउट किया है। इतनी ही बार साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी रोहित शर्मा को आउट कर चुके हैं।

भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को दूसरे टेस्ट में हराया, लेकिन शूटआउट में गंवाई श्रृंखला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह के दो दो गोल की मदद से भारत ने दूसरे हॉकी टेस्ट में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 5-3 से हराया लेकिन दो मैचों की श्रृंखला शूटआउट में 1-3 से गंवा दी। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर 11 साल बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी के साथ भारत को बुधवार को पहले टेस्ट में 0-2 से पराजय झेलनी पड़ी थी।

दूसरे टेस्ट में जर्मनी के लिए एलियान माजकूर (सातवां और 57वां मिनट) ने दो और हेनरिक मर्टजेंस ने 60वें मिनट में एक गोल किया। भारत ने दूसरे हाफ में सुखजीत सिंह (34वां और 48वां मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (42वां और 43वां) और अभिषेक (45वां मिनट) के गोलों के दम पर जीत दर्ज की। शूटआउट में भारत को 1-3 से पराजय का सामना करना पड़ा। शूटआउट में हरमनप्रीत, अभिषेक, मोहम्मद राहील के निशाने चूके जबकि भारतीय टीम में पदार्पण करने वाले आदित्य अर्जुन लालगे ने गोल दागा।

भारत के गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक ने दो गोल बचाए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। भारत ने आक्रामक शुरूआत करके शुरूआती मिनटों में कई मौके बनाये लेकिन जर्मन डिफेंस को नहीं भेद सके। जर्मनी ने सातवें मिनट में एलियान के गोल के दम पर बढत बना ली जिन्होंने दाहिने कॉर्नर से रिवर्स शॉट पर गोल दागा। दो मिनट बाद आदित्य गोल करने के करीब पहुंचे लेकिन जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उनका शॉट जर्मनी के गोलकीपर जोशुआ एन ओंयेकवू ने बचा लिया जिन्होंने कल भारत के आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक भी बचाया था।

भारत को अगले मिनट पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन उस पर वैरिएशन नाकाम रहा। अगले मिनट एक और पेनल्टी कॉर्नर पर मनप्रीत सिंह पुश को रोक नहीं सके। जर्मनी को 12वें मिनट में मिले पहले पेनल्टी कॉर्नर पर लुकास विंडफेडर का शॉट बाहर से निकल गया। कुछ मिनटों बाद भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर भारत ने वैरिएशन आजमाया और अपना 200वां मैच खेल रहे अमित रोहिदास ने हरमनप्रीत को गेंद सौंपी लेकिन उनके शॉट को जर्मन गोलकीपर ने बचाया।

जर्मनी को पलटवार पर मिला पेनल्टी कॉर्नर भारत ने नाकाम कर दिया। भारत को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। हाफटाइम से दो मिनट पहले जर्मनी को मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। दूसरे हाफ के पहले चार मिनट में ही भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन खाता नहीं खुल सका।

हरमनप्रीत ने एक मिनट के भीतर दो पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके भारत को बढ़त दिलाई।

सुखजीत ने 34वें मिनट में गोल दागा और अभिषेक ने भारत के लिये चौथा गोल किया। वहीं सुखजीत ने 48वें मिनट में लंबे पास पर जर्मन गोलकीपर को छकाते हुए डाइव लगाकर रिवर्स हिट पर गोल दागा। जर्मनी को 54वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। हूटर से तीन मिनट पहले हालांकि जर्मनी ने एलियान के गोल के दम पर अंतर को कम किया। दोनों टीमों के एक एक मैच जीतने के कारण श्रृंखला का फैसला शूटआउट में किया गया।

बांग्लादेश पर जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंचा

ढाका। दक्षिण अफ्रीका गुरुवार को पहले टेस्ट में बांग्लादेश पर सात विकेट से जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इस जीत के साथ प्रोटियाज ने अपने अंक-प्रतिशत में सुधार करते हुए 47.62 अंक हासिल किए, जिससे उन्हें न्यूजीलैंड और इंग्लैंड को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। बांग्लादेश की हार के साथ उनका अंक-प्रतिशत गिरकर 30.56 हो गया और वे सातवें स्थान पर बने हुए हैं, जबकि भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी भी स्टैंडिंग में शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों ने अनुकूल परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन किया और बांग्लादेश को मात्र 106 रन पर ढेर कर दिया। कगिसो रबाडा, वियान मुल्डर और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिए। बांग्लादेश के स्पिनरों ने वापसी की, जिसमें तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन ने मिलकर सात विकेट लिए। हालांकि, काइल वेरिन के शानदार शतक और मुल्डर (54) और डेन पीट (32) के समर्थन से दक्षिण अफ्रीका ने 202 रन की मजबूत बढ़त हासिल की। तीसरी पारी में, रबाडा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने एक बार फिर दबदबा बनाया और बांग्लादेश को 112/6 पर रोक दिया। मेहदी हसन (97) ने मजबूत प्रतिरोध किया और निचले क्रम के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए कुल स्कोर को 307 तक पहुंचाया। रबाडा ने 6/46 के प्रभावशाली आंकड़े के साथ मैच का अंत किया, जो एशिया में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। 106 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका को ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा, टोनी डी ज़ोरज़ी (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (30*) ने उनकी मदद की और टीम को सात विकेट से जीत दिलाई।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शमी ने खुद को बताया फिट

नई दिल्ली। पिछले साल टखने की सर्जरी के कारण भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी क्रिकेट से बाहर हैं, लेकिन हाल ही में उन्हें बेंगलुरु में टीम इंडिया के सहायक कोच अभिषेक नायर को गेंदबाजी करते हुए देखा गया। हालांकि, आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 में उनके चयन के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन शमी ने खुद को फिट घोषित किया है। उन्होंने कहा, मेरा टखना और घुटना ठीक है। मैं 80-90 प्रतिशत फिट हूं और एक तेज गेंदबाज से आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द मैदान पर वापसी करना है। जब उनसे सबसे फिट भारतीय खिलाड़ी का नाम पूछने पर, शमी ने विराट कोहली, शुभमन गिल, और रवींद्र जडेजा का नाम लिया। उन्होंने कहा, विराट कोहली उनमें से एक हैं। हमारे पास शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा हैं, जो फिट हैं। मैं बल्लेबाजों की बात कर रहा हूं। गेंदबाज हमेशा मजबूत होते हैं। शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग में अपने भविष्य को लेकर भी कुछ बातें कीं। उन्होंने कहा कि वे अपनी फ्रेंचाइजी के साथ निश्चित नहीं हैं, लेकिन यदि मौका मिला, तो वह किसी भी टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर मौका मिलता है, तो मैं इंडियन प्रीमियर लीग में किसी भी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करने के लिए तैयार हूं। यह खिलाड़ियों के प्रबंधन के बारे में है और आप उनमें से कई को पहले से ही जानते हैं। इससे पता चलता है कि मोहम्मद शमी अपनी फिटनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और जल्द ही मैदान पर लौटने के लिए तैयार हैं। बता दें कि मोहम्मद शमी 2023 आईसीसी वनडे विश्व कप के बाद भारतीय टीम के लिए अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

भारतीय महिला हॉकी की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने खेल को कहा अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने सोलह साल के सुनहरे कैरियर पर विराम लगाते हुए बृहस्पतिवार को खेल को अलविदा कह दिया। रानी के पिता ठेला खींचने का काम करते थे और वह अपने करियर के दौरान हरियाणा के एक छोटे से शहर शाहबाज मारकंडा से निकलकर लोगों के लिए प्रेरणा बनीं।

रानी की अगुआई में भारत ने 2021 में तोक्यो खेलों के दौरान ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर भारत और जर्मनी पुरूष टीमों के बीच मैच के बाद रानी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में हॉकी इंडिया ने उनकी जर्सी नंबर 28 को रिटायर करने का फैसला किया। उन्हें हॉकी इंडिया ने दस लाख रुपए का चेक भी प्रदान किया।

गुरुवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर रामपाल ने लिखा- 15 वर्षों तक भारतीय जर्सी को गर्व के साथ पहनने के बाद, मेरे लिए एक खिलाड़ी के रूप में मैदान से बाहर निकलने और एक नया अध्याय शुरू करने का समय आ गया है। हॉकी मेरा जुनून, मेरा जीवन और सबसे बड़ा सम्मान रहा है जो मैं कभी भी चाह सकती थी। छोटी शुरुआत से लेकर सबसे बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने तक, यह यात्रा अविश्वसनीय से कम नहीं है। मैं हमेशा अपने टीम के साथियों, कोचों और हर एक प्रशंसक की आभारी हूं जिन्होंने रास्ते में मेरा समर्थन किया। हालांकि मैं अब नहीं खेलूंगी, लेकिन खेल के प्रति मेरा प्यार जारी है। मैं नई भूमिकाओं की प्रतीक्षा कर रही हूं और वापस लौटूंगी। खेल जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है। हॉकी इंडिया, एमवायएएस, साई, हरियाणा सरकार, मेरे दीर्घकालिक प्रायोजकों और आईओएस स्पोर्ट्स को मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। यात्रा भले ही बदल गई हो, लेकिन मिशन वही है- भारतीय हॉकी की सेवा पूरे दिल से करना।

रानी का करियर

इस 29 वर्षीय दिग्गज फॉरवर्ड ने 2008 में ओलंपिक क्वालीफायर में 14 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया। उन्होंने भारत के लिए 254 मैच में 205 गोल किए। उन्हें 2020 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उसी वर्ष देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री उन्हें मिला। रानी को हाल ही में सब जूनियर महिला टीम का राष्ट्रीय कोच नियक्त किया गया।

मीर हमजा कराची में पुनर्वास के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम से बाहर

मुल्तान। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज मीर हमजा को कराची में पुनर्वास जारी रखने की अनुमति देने के लिए अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट के पहले दिन यह घोषणा की। हमजा अपने दाहिने ग्लूट में दर्द से जूझ रहे थे। तीसरे टेस्ट से पहले वे टीम के किसी भी सत्र में प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं थे और मंगलवार को उन्हें पाकिस्तान टीम के फिजियोथेरेपिस्ट के साथ बैंड पुनर्वास अभ्यास करते देखा गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को पहले और अंतिम दो टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन श्रृंखला के दौरान किसी भी समय प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी प्रदर्शन रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में था। 32 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 42.08 की औसत से 12 विकेट लिए हैं। शुरुआत में पाकिस्तान ने तीन तेज गेंदबाजों- नसीम शाह, शाहीन अफरीदी और आमिर जमाल को खिलाया। हालांकि, बाद में उन्होंने तीन विशेषज्ञ स्पिनरों और एक तेज गेंदबाज जमाल को चुना, ताकि स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का सामना किया जा सके।

45 साल की उम्र में प्रो टेनिस में डेब्यू करेंगे उरुग्वे के पूर्व फुटबॉल स्टार डिएगो फोर्लान

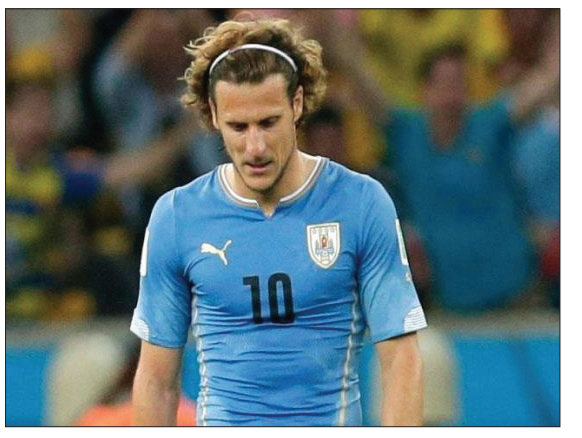

मोंटेवीडियो (उरुग्वे)। उरुग्वे के पूर्व स्ट्राइकर डिएगो फोर्लान अगले महीने एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट के युगल मुकाबले में खेलकर पेशेवर टेनिस में पदार्पण करेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने पुष्टि की कि 45 वर्षीय फोर्लान क्ले कोर्ट उरुग्वे ओपन में अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया के साथ खेलेंगे। यह टूर्नामेंट 11 नवंबर से शुरू होगा। फोर्लान ने 2019 में फुटबॉल से संन्यास लिया था। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के अलावा फोर्लान मैनचेस्टर यूनाइटेड, एटलेटिको मैड्रिड, इंटरनेजियोनेल और पेनारोल के लिए खेले हैं। उन्होंने उरुग्वे को 2010 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने और 2011 में कोपा अमेरिका खिताब जीतने में मदद की थी। फोर्लान पिछले साल से आईटीएफ मास्टर्स टूर्नामेंट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता पाब्लो फोर्लान ने भी फुटबॉल करियर के खत्म होने के बाद टेनिस खेला था। उरुग्वे के इस पूर्व स्ट्राइकर ने कहा, 'मेरे पिता ने 41 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। यही कारण है कि मैं दो साल की उम्र से (टेनिस) खेल रहा हूं।'

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

पल्लेकेले। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला पल्लेकल में खेला गया। इस मैच को श्रीलंकाई टीम ने पांच विकेट से जीता। बारिश की वजह से इस मुकाबले को 44 ओवर का कर दिया गया था। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए विंडीज टीम 36 ओवर में 189 रन पर सिमट गई थी। जवाब में श्रीलंका ने 38.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। महीश तीक्षणा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही थी। ब्रैंडन किंग 16 रन, एलिक एथनाजे एक रन, केसी कार्टी छह रन और कप्तान शाई होप पांच रन बनाकर आउट हुए थे। शेरफेन रदरफोर्ड ने इसके बाद एक छोर से अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 82 गेंद में सात चौके और चार छक्के की मदद से 80 रन की पारी खेली। हालांकि, दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। रोस्टन चेज आठ रन, रोमारियो शेफर्ड चार रन, हेडन वॉल्श एक रन और अल्जारी जोसेफ एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में गुडाकेश मोती ने 61 गेंद पर एक चौके की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। वहीं, जेडन सील्स पांच रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने चार विकेट लिए। वहीं, तीक्षणा और असिथा फर्नांडो को तीन-तीन विकेट मिले।

190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही थी। अविष्का फर्नांडो नौ रन बनाकर पवेलियन लौटे थे, जबकि कुसल मेंडिस तीन रन बना सके थे। इसके बाद निशान मदुशंका और सदीरा समरविक्रमा ने 62 रन की साझेदारी निभाई। निशान 44 गेंद में छह चौके की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, समरविक्रमा ने 50 गेंद में छह चौके की मदद से 38 रन की पारी खेली। इसके बाद कप्तान असलंका ने एक छोर संभाले रखा। वह 61 गेंद में सात चौके और एक छक्के की मदद से 62 रन बनाकर नाबाद रहे।

पंजाब एफसी के स्ट्राइकर बकेंगा हमवतन हालैंड से जुड़ाव पर बोले, किए कई खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की शानदार शुरुआत करके अब तक चार मैचों में 9 अंक जुटाए हैं। पंजाब एफसी ने इस सीजन में नॉर्वे के फॉरवर्ड मुशागा बकेंगा को अपने साथ जोड़ा है। 32 वर्षीय बाकेंगा के पास नॉर्वे और पूरे यूरोप में खेलने का भरपूर अनुभव है। मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग ब्रॉट हालैंड के साथ उनका जुड़ाव खास रहा है।

आईएसएल के साथ हालिया बातचीत में बकेंगा ने अपने हमवतन हालैंड के बारे में कई व्यक्तिगत जानकारियों का खुलासा किया, जिससे प्रशंसकों को इस फॉरवर्ड के ऑफ-फील्ड व्यक्तित्व की झलक मिली। हालांकि, मोल्डे एफके में ये दोनों कभी एक साथ मैदान पर नहीं उतरे, लेकिन बकेंगा और हालैंड पिछले कई सालों में कई बार मिले।

बकेंगा ने कहा, 'वास्तव में, मैं हालैंड को तब से जानता हूं, जब वह बहुत छोटा था। वह अच्छा बहुत और विनम्र व्यक्ति है। पिछली बार जब मैं उससे मिला था, तब वह छोटा था और उसने मुझसे एक तस्वीर मांगी थी। जिस तरह से फुटबॉल की दुनिया उसे देखती है, वह उससे बहुत अलग है। लेकिन, मैदान पर उसका व्यक्तित्व एकदम अलग है। इसलिए, वह मैदान पर और मैदान के बाहर एकदम अलग व्यक्ति है। नॉर्वे में भी, वह एक रहस्य की तरह है, और लोग उस रहस्य को पसंद करते हैं!'

'मैं टीम को बेहतर होने में मदद करना चाहता हूं'

पंजाब एफसी में शामिल होने से पहले, बकेंगा साइप्रस के क्लब अपोलोन लिमासोल के लिए खेले और जापानी टीम टोकुशिमा वोर्टिस के साथ कुछ समय तक एशिया में रहे। अब, यह फॉरवर्ड भारत में नए अनुभव का लुत्फ ले रहा है। बकेंगा ने बताया, %मैं एक नई संस्कृति का अनुभव करना चाहता था, यही भारत आने का कारण है। मुझे हमेशा से दुनिया के इस हिस्से में दिलचस्पी रही है और यह मेरे और मेरी पत्नी के लिए यहां आकर रहने का की बड़ी वजह था। मैंने यहां के बारे थोड़ा बहुत पढ़ा है, लेकिन मैं बिना किसी पूर्वाग्रह के, जितना संभव हो सके, बिना किसी तैयारी के यहां आना चाहता था, ताकि मैं इसे खुद अनुभव कर सकूं।'

पंजाब एफसी पिछले सीजन में प्लेऑफ से चूक गई थी, लेकिन इस बार वो शीर्ष छह में जगह बनाने के लिए दृढ़ संकल्प है। टीम ने शुरुआती हफ्तों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए छह गोल दागे हैं और केवल दो गोल खाए हैं। बकेंगा भी अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन उनका प्राथमिक लक्ष्य टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। उन्होंने अंत में कहा, 'मेरा लक्ष्य टीम को बेहतर बनाने में मदद करना है और व्यक्तिगत तौर भी अच्छा करना चाहता हूं। मुझे इस साल अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की उम्मीद है।'

पंजाब एफसी का अगला मुकाबला 31 अक्टूबर को शाम 7-30 बजे (भारतीय समयानुसार) नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चेन्नइयन एफसी से होगा। इंडियन सुपर लीग का लाइव स्ट्रीम जियोसिनेमा (अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली और मलयालम) पर मुफ्त में किया जाएगा और स्पोर्ट्स18 - 3 (अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली और मलयालम), एशियानेट प्लस (मलयालम) पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके अलावा स्पोर्ट्स 18 - 1, स्पोर्ट्स 18 - 2 और स्पोर्ट्स 18 - खेल भी चुनिंदा आईएसएल मैचों का सीधा प्रसारण करेंगे।

वेलस्पन फाउंडेशन द्वारा धोधड़कुवा गांव में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह का आयोजन किया गया

सुरत भुमि, वलसाड। समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने में प्रभावशाली योगदान देने के एक सचेत प्रयास के साथ, वेलस्पन फाउंडेशन, वेलस्पन वर्ल्ड की सीएसआर शाखा सकारात्मक बदलाव का समर्थन करने के लिए जमीनी स्तर पर काम करती है। शिक्षा, आजीविका के अवसर, स्वास्थ्य, चिकित्सा सहायता, महिला सशक्तिकरण से लेकर पर्यावरणीय पहल तक, वेलस्पन फाउंडेशन की पहल का उद्देश्य समाज का समग्र विकास है।

10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के जश्न के हिस्से के रूप में, वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज ने वलसाड के धोधाडकुवा गांव में एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम ने स्थानीय स्व-सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों को एक साथ लाया, जिन्होंने मदद मांगने की प्रक्रिया को सामान्य बनाने और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सार्थक चर्चा में भाग लिया। दिन का एक केंद्रीय संदेश यह था कि जीवन में कभी-कभी हम ठीक नहीं होंगे, जिसे स्वीकार करना ठीक है। सभी लोग कभी-कभी दुखी या तनावग्रस्त होते हैं, मदद मांगना बुरा नहीं है। समर्थन और सहायता की आवश्यकता होना सामान्य है और यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. रितिशा भट्ट और सुश्री शिवानी गुसाईं ने सत्र का नेतृत्व किया और प्रतिभागियों को माइंडफुलनेस और विश्राम तकनीकों पर केंद्रित विभिन्न समूह गतिविधियों और अभ्यासों के माध्यम से मार्गदर्शन किया। उनकी विशेषज्ञ सुविधा का उद्देश्य उपस्थित लोगों को उनके मानसिक कल्याण को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक उपकरणों के साथ सशक्त बनाना है। वेलस्पन फाउंडेशन एक ऐसी संस्कृति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां मानसिक स्वास्थ्य सहायता मांगने को कमजोरी के बजाय ताकत के संकेत के रूप में पहचाना जाता है। धोधाडकुवा की सरपंच श्रीमती संगीताबेन कल्पेशभाई पटेल ने भी सभी एसएचजी सदस्यों के समक्ष मानसिक स्वास्थ्य पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के दौरान कुल 59 प्रतिभागी उपस्थित थे।

सेवा कार्य करके मनाया डॉ सतिश पूनिया का जन्मदिन

सुरत भुमि, सूरत। सूरत में निवास कर रहे राजस्थानी समाज के लोगों ने हरियाणा भाजपा के प्रभारी एवं राज-स्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का जन्मदिन सेवा कार्य करके बनाया । प्रवासी विश्वनाथ पचेरिया ने बताया कि 24 अक्टूबर को पूनिया के जन्मदिन के अवसर पर प्रवासी राजस्थानी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनका जन्मदिवस सेलीब्रेट किया। कार्यक्रम की कड़ी में सबसे पहले 24 अक्टूबर को वीआईपी रोड स्थित श्याम बाबा मंदिर में बाल भोग लगाया। साथ ही बाबा श्याम से पूनिया के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इसके बाद गौशाला में जाकर गौ माता को हरा चारा खिलाया । सिविल अस्पताल में मरीजों को फल वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया, साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान को बढ़ाते हुए डॉ पूनिया ने भी अपील की और एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत अलथान स्थित शालिग्राम सोसायटी मे पेड़ लगाए। इस अवसर पर अमित मितल, अतुल मोहता, बसन्त खेतान, मदन सिहाग, श्रवण धामू, राकेश अग्रवाल, सहित सूरत में गणमान्य प्रवासी राजस्थानी मौजूद रहै ।

वनवासी एवं ग्रामीणों के लिए भारत कबड्डी लीग हुई लॉन्च

सुरत भुमि, सूरत। वनवासी एवं ग्रामीण लोगों की खेल प्रतिभा को आगे लाने के लिए भारत कबड्डी लीग (BKL) की लॉन्चिंग बुधवार को सूरत में किया गया। डुमस स्थित अवध यूटोपिया में शाम सात बजे से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत कृष्ण वंदना के साथ की गई। इसके बाद विनोद अग्रवाल द्वारा स्वागत भाषण देकर सभी का स्वागत किया गया। इसके बाद भारत के कबड्डी खिलाड़ी दीपक निवास हुड्डा, कैप्टन धर्मवीर सिंह एवं माधवेन्द्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

कार्यक्रम में दीपक निवास हुड्डा ने ग्रामीण भारत की छिपी हुई प्रतिभा की सराहना की और भारत कबड्डी लीग जैसी पहलों के महत्व पर जोर दिया। कैप्टन धरमवीर सिंह ने कहा कि यह लीग युवा खिलाड़ियों में आवश्यक कौशल एवं अनुशासन को विकसित करने के साथ-साथ एक ऐसा राष्ट्रवाद भी पैदा करेगी जो कुछ को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कार्यक्रम में लीग का आधिकारिक लोगो एवं वेबसाइट लॉन्च की गई। लीग की टीमों एवं टीशर्ट का अनावरण मुंबई में होगा। भारत कबड्डी लीग का मुख्य आयोजन फ़रवरी 2025 में लखनऊ में होगा।

शाओमी इंडिया ने साइन लैंग्वेज सपोर्ट के साथ ग्राहकों तक अपनी पहुंच के विकल्पों का विस्तार किया

सुरत भुमि, सूरत। शाओमी इंडिया ने साइन लैंग्वेज सपोर्ट फीचर की शुरुआत की घोषणा की, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि तकनीक सभी के लिए सुलभ हो। यह नई सेवा सुनने और बोलने में अक्षम उपभोक्ताओं के लिए संचार में आने वाली बाधाओं को कम करने का प्रयास करती है, जिससे उन्हें एक सहज समावेशी और निर्बाध ग्राहक अनुभव प्राप्त हो सके।

शाओमी ने प्रशिक्षित साइन लैंग्वेज इंटरप्रिटर्स की एक टीम में निवेश किया है, जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में वन-ऑन-वन सपोर्ट प्रदान करेगी। यह मानव-केंद्रित दृष्टिकोण उपभोक्ताओं को उनकी संचार क्षमताओं से परे शाओमी के उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रभावी रूप से बातचीत करने में सक्षम बनाता है।

साइन लैंग्वेज सपोर्ट कैसे प्राप्त करें

ग्राहक आसानी से शाओमी कस्टमर केयर से व्हाट्सएप के माध्यम से साइन लैंग्वेज सहायता का अनुरोध कर सकते हैं। उन्हें वर्चुअल कंसल्टेशन के लिए अपनी पसंद का समय स्लॉट चुनने के लिए कहा जाएगा। एक बार पुष्टि हो जाने पर, निर्धारित सत्र के लिए एक वीडियो लिंक साझा किया जाएगा।

सेवा की उपलब्धता और समय

यह साइन लैंग्वेज सपोर्ट सेवा वर्ष के 365 दिन, सुबह 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक, सोमवार से रविवार तक उपलब्ध है। इंटरप्रिटर्स की समर्पित टीम ग्राहकों की पूछताछ, ऑर्डर से संबंधित प्रश्नों और तकनीकी सहायता में मदद के लिए तैयार है।

समावेशी तकनीक की ओर एक कदम टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में एक ग्लोबल लीडर के रूप में, शाओमी का मानना है कि तकनीक का उद्देश्य मानव कनेक्शन को बढ़ावा देना और सभी के लिए अवसर और पहुंच बढ़ाना है। यह नया साइन लैंग्वेज फीचर सेवा कंपनी की नवीनतम पहलों में से एक है, जिसका उद्देश्य सुलभता सुविधाओं को प्रदान करना है।

NPCIL ने सूरत के स्कूलो में "द पावर चैंप्स" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में न्यूक्लियर ऊर्जा के बारे में जागरूकता बढ़ाना था

सूरत,गुजरात। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने एक्सिकॉन इवेंट्स मीडिया सोल्यूशंस लिमिटेड के सहयोग के सूरत के विद्यार्थियों के लिए "द पावर चैंप्स" कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के टिकाऊ ऊर्जा भविष्य में इसकी भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया है।

इस कार्यक्रम में सूरत के प्रमुख स्कूलों के 1,000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें श्री सरदा विद्या निलयम (क्रांति नगर और एचबी कॉलोनी), रानी मेमोरियल (ईएम) हाई स्कूल और एसएफएस पब्लिक स्कूल शामिल हैं। इन युवा प्रतिभागियों ने परमाणु ऊर्जा के बारे में समझ पैदा करने के लिए आयोजित की गई विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें ड्रॉइंग, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल थी।

प्रत्येक आयोजन में 100 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी देखी गई, जो युवाओं की गहरी रुचि और सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है। आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थियों ने न केवल परमाणु ऊर्जा के बारे में सीखा, बल्कि इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण किया, जिससे उनकी जिज्ञासा और दृष्टिकोण में विस्तार हुआ।

भाग लेने वाले स्कूलों के प्रिंसिपल और शिक्षकों का पूर्ण समर्थन कार्यक्रम की सफलता का आधार बना। उनकी समर्पण और प्रतिबद्धता ने विद्यार्थियों को परमाणु ऊर्जा के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद की, जिससे कार्यक्रम के शैक्षिक लक्ष्य पूरे हुए। द पावर चैंप्सज्ज कार्यक्रम एनपीसीआईएल की युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भारत के ऊर्जा भविष्य को आकार देने में भूमिका निभा सकें। परमाणु ऊर्जा के बारे में जागरूकता फैलाकर, एनपीसीआईएल एक स्थायी और जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान कर रहा है।

सुशासन बाबू के राज में 80 करोड़ गरीब जनता के अनाज की धड़ल्ले से हो रही ब्लैकमेलिंग

सुरत भुमि, सूरत।

शहर के वराछा विस्तार से निकला अनाज भारत टेंपो को शहर के कुछ पत्रकारों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा उधना गांव देना बैंक के सामने रोक कर स्थानीय पुलिस को कार्यवाही करने के लिए सौंप दिया गया।

बताया जाता है कि ऐसी स्थिति में जब पुलिस का काम आम पत्रकार अथवा सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाने लगा तो पुलिस को तुरंत कदम उठाना चाहिए परंतु ऐसे षड्यंत्र भ्रष्टाचार में पूरे तंत्र के मिले होने के कारण ऐसी घटना में पुलिस इंतजार करने लगती है कि कहीं से किसी व्यापारी द्वारा माल का बिल पेश करके सभी अनाज माफिया को बचा लिया जाए। जबकि आमतौर पर गाड़ी चोर हो या मोबाइल चोर हो अथवा किसी भी प्रकार की चोरी करने वाला हो जो पुलिस की लिस्ट में नहीं होता है तो उसका रिमांड लेकर पुलिस तमाम चोरी की कैसे उसके ऊपर लगा देती है और उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है लेकिन गरीबों के हक का अनाज बाजार में बेचकर करोड़पति बन बैठे इन माफियाओं पर ऐसी कार्यवाही क्यों नहीं करते इसका मतलब कंट्रोल की दुकान वाले ठीक ही कहते हैं कि तुमको जहां जाना है जो जो करना है करो यह कमाई ऊपर तक जाती है। ऐसा कहकर जो एक यूनिट पर 5 किलो राशन मिलता है उसमें हर दुकानदार कटौती करके 2 किलो ढाई किलो नहीं तो ज्यादा से ज्यादा 3 किलो अनाज दिया जाता है बाकी हर गरीब के हक का अनाज बाजार नहीं भेज दिया जाता है। कलेक्टर के पास शिकायत करने पर भी इसकी सुनवाई नहीं होती इस पर इससे स्पष्ट साबित होता है कि इसके आदेश अनुसार यह योजना चलाई जा रही है यह भ्रष्टाचार की रकम घूमते घूमते वहां पहुंच जाता है। यही है सुशासन बाबू का राज???

आदिस्वर ऑटो राइड इंडिया ने अहमदाबाद में 'मोटो वॉल्ट' सुपरबाइक शोरूम खोला और विशेष उत्सव ऑफर दिए

अहमदाबाद।

प्रीमियम मोबिलिटी पेशकशों के अपने स्पेक्ट्रम का विस्तार करने के लिए, महावीर समूह की कंपनी आदिस्वर ऑटो राइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एएआरआई) ने अपने नवीनतम उद्यम - मोटो वॉल्ट, एक मल्टी-ब्रांड सुपरबाइक फ्रेंचाइजी के लॉन्च की घोषणा की है। अहमदाबाद. यह घोषणा भारत भर में कई टचप्वाइंट स्थापित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक ग्राहक को सर्वोत्तम सुपरबाइक अनुभव मिले।

टाइटेनियम स्क्वायर, सरखेज - गांधीनगर हाईवे, पटेल सोसाइटी, जय अंबे नगर, थलाटेज, अहमदाबाद, गुजरात 380054 पर "दाथवाला ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड" के बैनर तले एक अत्याधुनिक शोरूम। यह सुपरबाइक्स की वैश्विक रेंज प्रदर्शित करता है मोटो मोरिनी, ज़ोनेट्स और क्यूजे मोटर जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड। AARI अपनी मल्टी-ब्रांड फ्रैंचाइज़ी के माध्यम से अधिक विश्व स्तरीय ब्रांड पेश करने की भी योजना बना रहा है। आउटलेट्स को एंड-टू-एंड बिक्री, सेवा और स्पेयर सहायता प्रदान करने के साथ-साथ परिधान और सहायक उपकरण की एक विशेष श्रृंखला प्रदर्शित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आदिस्वर ऑटो राइड इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री विकास ज़बाख ने कहा, "आदिस्वर ऑटो राइड इंडिया में हमारा एक मुख्य प्रयास हमारे ग्राहकों के साथ संबंधों के माध्यम से मूल्य बनाना है। इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए, हमें अहमदाबाद में एक अद्वितीय मल्टी-ब्रांड सुपरबाइक फ्रेंचाइजी - मोटो वॉल्ट के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह लॉन्च हमारे सम्मानित ग्राहकों के लिए उत्पाद, बिक्री और सेवा सहायता की एक विस्तृत श्रृंखला का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। पूरे भारत में मोटो वॉल्ट शोरूम लॉन्च करने के पीछे हमारा दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करना है कि सुपरबाइक के शौकीनों को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध ब्रांडों और उनके विशिष्ट उत्पादों का अनुभव मिले।

नई डीलरशिप के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए मोटो वॉल्ट - अहमदाबाद के डीलर प्रिंसिपल श्री शनील हर्षदकुमार पाडिया ने कहा, "हमें मोटो वॉल्ट इंडिया के साथ जुड़कर खुशी हो रही है। अपने ग्राहक-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ हमारा लक्ष्य अपने सभी ग्राहकों को परेशानी मुक्त और प्रीमियम बिक्री और सेवा अनुभव प्रदान करना है क्योंकि मोटो वॉल्ट अहमदाबाद में पेशेवरों को कंपनी द्वारा वैश्विक मानकों के अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि उन्हें सर्वोत्तम स्वामित्व अनुभव दिया जा सके।"

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी का चौथा ग्रेजुएशन समारोह आज

वेसू में आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल और राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे

सूरत।

कल, शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2025 को दोपहर 2:30 बजे आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में भगवान महावीर विश्वविद्यालय, वेसू के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. कार्यक्रम की अध्यक्षता पाटिल और राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने की। 15 कॉलेजों में से 2611 बैचलर ऑफ साइंस, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ एजुकेशन, मास्टर ऑफ एजुकेशन, बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ लॉ, फिजिकल एजुकेशन, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ कंप्यूटर डिग्री प्रदान करते हैं। है आवेदन दिया जायेगा. जिनमें से 41 छात्रों को स्वर्ण पदक, 41 छात्रों को रजत पदक और 14 छात्रों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

चौथे दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम के संबंध में भगवान महावीर एजुकेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष जगदीश जैन, भगवान महावीर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संजय जैन और प्रबंध ट्रस्टी अनिल जैन ने बताया कि भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) का चौथा दीक्षांत समारोह कल, शुक्रवार, अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। 25, 2024. आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन निश्रा में होने जा रहा है। इस मौके पर मुख्य अतिथि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल और राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया उपस्थित रहेंगे। वास्तुकला, अनुसंधान (पीएचडी), विज्ञान, कंप्यूटर अनुप्रयोग, वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन, शिक्षा (एमडी), शिक्षा (बी.एड), इंजीनियरिंग, कला, प्रबंधन (एमबीए, एमसीए) जैसी विभिन्न धाराओं से 2611 छात्रों का दीक्षांत डिप्लोमा शारीरिक शिक्षा , फार्मेसी (बी.पी.एड, फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड), नर्सिंग सहित 15 स्ट्रीम में डिग्री प्रदान की जाएगी।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स (केन्या) और ज़ोस्केल्स पार्टनर्स (स्विट्जरलैंड) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने अपनी क्लिनिकल कॉरिडोर पहल के तहत नैरोबी के मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल में "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस" के निर्माण के लिए आज मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स लिमिटेड (केन्या) और ज़ोस्केल्स पार्टनर्स के साथ समझौता ज्ञापन (Mo) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। पूरे पूर्वी-अफ्रीका में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को बेहतर एवं किफायती बनाने के उद्देश्य से यह ऐतिहासिक साझेदारी की गई है, ताकि इस क्षेत्र में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की तात्कालिक ज़रूरत को पूरा किया जा सके।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर रहा है, जो अपने विस्तृत अनुभव और चिकित्सीय क्षमताओं में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स को पूर्वी-अफ्रीका में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं का क्षेत्रीय केंद्र बनने में मदद करेगा। इस साझेदारी के तहत विशिष्ट चिकित्सा के क्षेत्र में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (CoEs) के निर्माण पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि समाज के कमजोर तबके के लोगों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के संस्थापक सदस्य, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, डॉ. राजीव सिंघल ने कहा, "मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स पूर्वी-अफ्रीका में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने में मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स को अपना सहयोग दे रहा है, जिसके लिए हमें भारत से अपने ज्ञान और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उनके साथ साझा करने पर गर्व है। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स सभी भौगोलिक क्षेत्रों में क्लिनिकल कॉरिडोर बनाने की बुनियादी सोच का हिमायती रहा है। यह पूरी दुनिया में स्वास्थ्य सेवा के मानकों को बेहतर बनाने में 3ञ्जह्य (टीच, ट्रेन और ट्रीट) के सिद्धांतों पर आधारित है। हम क्षमता निर्माण के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा के मानकों को बेहतर बनाने और सीमाओं के पार सहयोग को बढ़ावा देने के इरादे पर अटल हैं। दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले कई संस्थानों में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (ष्टश्वह्य) की स्थापना का हमारा इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। हमने मंगोलिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी एवं ट्रांसप्लांट में ष्टश्वह्य की स्थापना की है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिला है और स्वास्थ्य सेवा क्षमताओं में वृद्धि हुई है।ज्ज उन्होंने आगे कहा, च्सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस को विकसित करने में हम टीम की योजना बनाने, इन्फ्रास्ट्रक्चर, अनुपालन, पाथवे प्रोटोकॉल को विकसित करने और सभी विभागों के सहयोगियों के लिए प्रशिक्षण सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हैं।"

मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं सीईओ, डॉ. के. के. गाकोम्बे ने कहा, "हम अपनी चिकित्सीय सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सहज तरीके से उपलब्ध कराकर चिकित्सा की गुणवत्ता में सुधार कर रहे हैं, साथ ही इसे बड़ी आबादी के लिए अधिक किफायती और सुलभ भी बना रहे हैं।ज्ज उन्होंने आगे कहा, च्मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स और ज़ोस्केल्स पार्टनर्स के साथ इस साझेदारी से हम अपने दायरे का विस्तार करने और अपने सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने में सक्षम हुए हैं।"

ज़ोस्केल्स पार्टनर्स के सह-संस्थापक एवं मैनेजिंग पार्टनर, जैकोप बी. रेन्शलर ने कहा, "यह साझेदारी उन क्षेत्र में सार्थक बदलाव लाने के हमारे संकल्प को उजागर करती है, जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है— यानी हम बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में सुधार लाने के संकल्प पर कायम है।" उन्होंने निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए कहा, "मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स की विश्व-स्तरीय विशेषज्ञता को मेट्रोपॉलिटन हॉस्पिटल्स की स्थानीय क्षमता के साथ जोड़कर, हम बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला मंच तैयार कर रहे हैं, जो पूर्वी-अफ़्रीका में समुदायों के लिए चिकित्सीय क्षमता को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्थायी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाएगा।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)